मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 24 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 6 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 188, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ निद्रा व मूड स्विंग के दुष्चक्र में उलझी युवा पीढ़ी

भूत बंगला का तू ही दिस्दा टीजर रिलीज, अक्षय कुमार-वामिका गब्बी की रोमांटिक केमिस्ट्री ने जीता दिल 6

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

'धर्मांतरण करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा होगा समाप्त '

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा पूरी तरह से खो देता है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति उदाहरण के लिए ईसाई धर्म अपना लेता है और ईसाई धर्म के अनुसार जीवन जी रहा है तो उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

क्या है पूरा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने कहा सांविधानिक आदेश, 1950 में साफ कहा गया है कि खंड-3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है।

यह आदेश एक ऐसे व्यक्ति के मामले में दिया गया, जिसने ईसाई धर्म अपना लिया था और अब पेस्टर के तौर पर काम कर रहा है, लेकिन उसने कुछ लोगों के खिलाफ एससी-एसटी (अत्याचार रोकथाम) कानून के तहत मामला दर्ज कराया था। मामला दर्ज कराने वाले व्यक्ति ने एससी-एसटी कानून के तहत संरक्षण की मांग की थी। हालांकि जिन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, उन्होंने इसे चुनौती दी और दावा किया कि पीड़ित ईसाई धर्म अपना चुका है।

हाईकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट की धाराओं को हटाने का आदेश दिया

30 अप्रैल 2025 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ईसाई धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति एससी-एसटी कानून के प्रावधानों का लाभ लेने का पात्र नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज धाराओं को खत्म करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ पेस्टर ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर की।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा? : सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा 'इस मामले में ये अहम नहीं है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म से अपने मूल धर्म में धर्मांतरित हो गया है या उसे उसके मूल समुदाय द्वारा स्वीकार किया गया है या नहीं। बल्कि सबूतों से ये सिद्ध होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करता है और एक दशक से अधिक समय से बतौर पादरी काम कर रहा है। वह गांव के घरों में नियमित तौर पर रविवार की प्रार्थनाएं आयोजित करता है। इस तथ्यों से इस बात में कोई शक नहीं है कि घटना के समय वह ईसाई बना रहा।

सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी मिलेगा पेंशन

नई दिल्ली: आर्मी, नेवी और एयर फोर्स की महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अफसर, जिन्हें परमानेंट कमीशन नहीं मिला अब उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला मंगलवार को सुनाया। कोर्ट ने कहा कि महिला अफसरों को स्थायी कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जवल भुईयां और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा- अब यह माना जाएगा कि इन महिला अफसरों ने पेंशन के लिए जरूरी 20 साल की सर्विस पूरी कर ली है, भले ही उन्हें पहले ही सेवा से हटा दिया गया हो। दरअसल, कोर्ट का यह फैसला सुचेता एडन समेत अन्य महिला अफसरों की याचिकाओं पर आया, जिनमें केंद्र की परमानेंट कमीशन से जुड़ी 2019 की पॉलिसी और आर्म्ड फोर्सेस ट्रिब्यूनल के फैसलों को चुनौती दी गई थी।

रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए जरूरी खबर

अब बिना ओटीपी के घर नहीं पहुंचेगा एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली : मिडिल-ईस्ट में लगातार बढ़ रहे तनाव और देशभर में रसोई गैस (एलपीजी) की संभावित किल्लत को देखते हुए सरकार ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी को जड़ से खत्म करने के लिए सरकार अब डिलीवरी के नियमों में एक बड़ा और सख्त बदलाव कर रही है। इस नए नियम के तहत, अब किसी भी ग्राहक को बिना ओटीपी बताए एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी नहीं दी जाएगी। दिल्ली और मुंबई जैसे कई महानगरों में गैस कंपनियां पहले से ही इस ओटीपी सिस्टम के जरिए सिलेंडर पहुंचा रही हैं, और अब इसे धीरे-धीरे पूरे देश में अनिवार्य रूप से लागू किया जा रहा है।

क्यों उठाया गया ओटीपी का यह सख्त कदम? : देशभर में एलपीजी सिलेंडर की फर्जी डिलीवरी, अवैध जमाखोरी और धड़ल्ले से चल रही ब्लैक मार्केटिंग पर लगाम कसने के लिए ही इस नए नियम को हथियार बनाया गया है। इस पारदर्शी सिस्टम के तहत, जब भी आप गैस बुक करेंगे, तो डिलीवरी के समय आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। जब गैस एजेंसी का कर्मचारी सिलेंडर लेकर आपके घर पहुंचेगा, तो आपको यह ओटीपी उसे बताना अनिवार्य होगा। इस ओटीपी को डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) कहा जाता है। जब तक कर्मचारी इस कोड को अपने सिस्टम में दर्ज नहीं करेगा, तब तक किसी भी हाल में डिलीवरी को सफल नहीं माना जाएगा और न ही आपको गैस सिलेंडर सौंपा जाएगा।

आम ग्राहकों को इस सिस्टम से कैसे मिलेगा सीधा फायदा? : दरअसल, लंबे समय से देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि गैस एजेंसी के कुछ कर्मचारी ग्राहकों को बिना सिलेंडर दिए ही कागजों और सिस्टम में डिलीवरी पूरी दिखा देते थे। इसके बाद उन सिलेंडरों को ब्लैक मार्केट में मनमाने और ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाया जाता था। इस नए ओटीपी नियम के लागू होने के बाद कर्मचारियों का यह सारा झोल पूरी तरह से बंद हो जाएगा। अब उन्हें सिस्टम में डिलीवरी सफल दिखाने के लिए हर हाल में ग्राहक के फोन पर आया सही ओटीपी दर्ज करना ही होगा। इसका सीधा मतलब यह है कि ओटीपी हासिल करने के लिए उन्हें असली ग्राहक के घर तक पहुंच कर ही सिलेंडर देना होगा, जिससे आम जनता के हक की गैस की चोरी पूरी तरह रुक जाएगी।

कोलंबिया में सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त 66 सैनिकों की मौत, 57 घायल, चार लापता

बोगोटा: कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत पुटुमायो में सोमवार को हुए एक सैन्य विमान दुर्घटना में 66 सैनिकों की मौत हो गई। कोलंबिया की सेना ने कहा नए आंकड़ों के मुताबिक विमान में 128 लोग सवार थे, जिनमें से 57 घायल हो गए, चार लापता हैं और एक व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। सेना ने शुरू में कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त हुए परिवहन विमान सी-130 हरक्यूलिस में 114 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे। इस विमान का इस्तेमाल सैनिकों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता था। कोलंबियन वायुसेना के कमांडर कार्लोस सिल्वा ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

कोयल नदी पर स्थित पुल संख्या 115 में चल रहे मरम्मत कार्य को लेकर ,परिवर्तित मार्ग से चलेगी राजधानी एक्सप्रेस

रांची: रांची रेल मंडल के रांची- लोहरदगा - टोरी रेलखंड के अंतर्गत नगजुआ एवं लोहरदगा स्टेशन के बीच कोयल नदी पर स्थित पुल संख्या 115 में चल रहे मरम्मत कार्य की वजह से कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है।

ट्रेन संख्या 20408 नई दिल्ली - रांची राजधानी एक्सप्रेस 25 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग टोरी - लोहरदगा - रांची के स्थान पर परिवर्तित मार्ग टोरी -बरकाकाना- मेसरा- टाटीसिलवे - रांची होकर चलेगी।

20407 रांची – नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 26 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग रांची - लोहरदगा - टोरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रांची - टाटीसिलवे -मेसरा - बरकाकाना - टोरी होकर चलेगी।

12454 नई दिल्ली – रांची राजधानी एक्सप्रेस 28 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग टोरी - लोहरदगा - रांची के स्थान पर परिवर्तित मार्ग टोरी - बरकाकाना - मेसरा - टाटीसिलवे -रांची होकर जाएगी।

12453 रांची – नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 29 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग रांची झ लोहरदगा-टोरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रांची - टाटीसिलवे - मेसरा -बरकाकाना - टोरी होकर चलेगी।

वहीं 18632 चोपन –रांची एक्सप्रेस 26 मार्च , 28 मार्च एवं 30 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग टोरी - लोहरदगा - रांची के स्थान पर परिवर्तित मार्ग टोरी - बरकाकाना -मेसरा - टाटीसिलवे - रांची होकर चलेगी।

18631 रांची – चोपन एक्सप्रेस 25 मार्च , 27 मार्च एवं 29 मार्च को अपने निर्धारित मार्ग रांची -लोहरदगा - टोरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रांची - टाटीसिलवे - मेसरा - बरकाकाना - टोरी होकर चलेगी।

18636 सासाराम – रांची एक्सप्रेस 24 मार्च से 31 मार्च तक अपने निर्धारित मार्ग टोरी - लोहरदगा-रांची के स्थान पर परिवर्तित मार्ग टोरी - बरकाकाना -मेसरा -टाटीसिलवे -रांची होकर चलेगी।

18635 रांची – सासाराम एक्सप्रेस 24 मार्च से 31 मार्च तक अपने निर्धारित मार्ग रांची - लोहरदगा - टोरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रांची - टाटीसिलवे - मेसरा - बरकाकाना - टोरी होकर जाएगी।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने मानी अमेरिका से वार्ता की बात, कहा-

हमें मिले हैं बातचीत के प्रस्ताव,कर रहे हैं विचार

तेहरान : ईरान को अमेरिका की ओर से मध्यस्थों के जरिए संदेश मिला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत की संभावना बनती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने कुछ अहम प्रस्ताव भेजे हैं, जिनकी समीक्षा की जा रही है। अधिकारी ने कहा, हमें अमेरिका की ओर से कुछ बिंदु मिले हैं और हम उन पर विचार कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है।

ईरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ समझौता संभव है, जबकि खाड़ी क्षेत्र में तनाव अब भी बना हुआ है। इस स्थिति का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ रहा है और कई देश तनाव कम करने की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार किया था, लेकिन अब उसने माना है कि मध्यस्थों के जरिए प्रस्ताव उस तक पहुंचा है।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कई देश तनाव कम करने के लिए सक्रिय हो गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदेन से फोन पर बातचीत की। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि तुर्की क्या संदेश पहुंचा रहा है, लेकिन यह जरूर सामने आया है कि फिदेन ने कतर, सऊदी अरब, पाकिस्तान, मिस्त्र, यूरोपीय संघ और अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क किया है। तुर्की पहले भी ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा चुका है।

मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी ने कहा कि उन्होंने ईरान को तनाव कम करने के लिए स्पष्ट संदेश भेजे हैं। मिस्त्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह सभी पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है। एक मिस्त्री अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि संदेश ऊर्जा ढांचे पर हमलों को रोकने से संबंधित हैं। खाड़ी देश भी इस प्रयास में लगे हैं कि संघर्ष ऊर्जा सुविधाओं तक न पहुंचे। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया गया है। ट्रंप के मुताबिक, ह्हमारी बातचीत बहुत मजबूत रही है और लगभग सभी मुद्दों पर सहमति बन सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की ओर से प्रतिनिधियों की बातचीत वहां के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ से हो रही है, जिसे गालिबाफ ने खारिज कर दिया। गालिबाफ ने इन खबरों को फेक न्यूज बताते हुए कहा कि अमेरिका बाजार को प्रभावित करने और अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस तरह की बातें फैला रहा है। ईरान ने इस मुद्दे पर सख्त रुख बनाए रखा है।

सिरमटोली ब्रिज पर हुए सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

रांचीः राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित सिरमटोली ब्रिज पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान क्लाजिस केरकेट्टा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक ब्रिज पर स्कूटी चलाना सीख रहा था, तभी अचानक उसकी स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई और वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही चुटिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी पूनम कुजूर ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है और मामले की जांच जारी है।

राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

'युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटका दिया, इसका असर लंबे समय तक रहेगा'

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मोदी आज पश्चिम एशिया संकट को लेकर राज्यसभा में जानकारी दे रहे हैं। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपनी बात रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में कहा, पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और उससे बनी परिस्थितियों से हम सभी परिचित हैं। मैं आज संसद के उच्च सदन और देशवासियों के सामने इन विकट परिस्थितियों पर सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुआ हूं। इस युद्ध ने पूरे विश्व में ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। भारत के लिए भी ये स्थिति चिंताजनक है।

इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों जैसे जरूरी सामानों की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं। यह भारत के लिए बड़ी चिंता है। होर्मुज में भारत के कई जहाज फंसे हैं, उनमें बड़ी संख्या में चालक दल के भारतीय सदस्य हैं। ऐसी विकट परिस्थिति में आवश्यक है कि भारत की उच्च सदन से शांति और संवाद की एकजुट आवाज पूरे विश्व में जाए। युद्ध की शुरूआत से बाद से मैंने पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो दौर की बातचीत की है। हम ईरान, इस्राइल और अमेरिका के साथ संपर्क में हैं। हमारा लक्ष्य संवाद कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति की बहाली का है। हमने होर्मुज को खोलने के लिए बात की है। वहां पर हमला अस्वीकार्य है। भारत ने नागरिकों, असैन्य ढांचों और ऊर्जा से जुड़ी बुनियादी

संरचना पर हमलों का विरोध कर रहा है। भारत जहाजों की आवाजाही के लिए सतत प्रयास कर रहा है। भारत ने संवाद का ही रास्ता सुझाया है।

हमने होर्मुज स्ट्रेट को खोले जाने पर भी उनसे बात की है। होर्मुज जैसे अहम शिपिंग मार्ग को बाधित किया जाना अस्वीकार्य है। भारत डिप्लोमैसी के जरिए युद्ध के इस माहौल में भी जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए सतत प्रयास कर रहा है। भारत ने नागरिकों पर, नागरिकों ठिकानों पर, ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों का विरोध किया है। भारत सुरक्षित आवागम के लिए सतत प्रयास कर रहा है। भारत ने इस समस्या के समाधान के लिए संवाद का भी रास्ता सुझाया है। भारत का सतत प्रयास सभी पक्षों को शांति पूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित करने का है। भारतीयों सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता है।

युद्ध के बाद से तीन लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार से अधिक भारतीय भारतीय भारत लौटे हैं। इनमें सात सौ से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र भारतीय हैं। यह बहुत दुखद है कि हमलों के कारण कुछ भारतीयों की मृत्यु हुई है, कुछ गायब हुए हैं। जो घायल हैं, उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है। विशेषतौर पर क्रूड और उर्वरक से जुड़ा परिवहन इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में होता है। युद्ध से इस क्षेत्र से आना-जाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। हमारी सरकार ने संवाद के माध्यम से रास्ते बनाने का प्रयास किया है। हमारी कोशिश है जहां से भी ये चीजें आसानी से भारत पहुंचे। बीते कुछ दिनों में दुनिया के अनेक देशों से कच्चा तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत आए हैं। आने वाले दिनों में भी ये प्रयास जारी रहेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

टीएसपीसी के 8 नक्सली गिरफ्तार

हजारीबाग : जिले में प्रतिबंधित तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी से जुड़े आठ नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से हथियार व गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक सूचना के आधार पर, सुरक्षा बलों ने शनिवार को उरिमारी चौकी क्षेत्र में नक्सलियों को पकड़ा। सदर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अमित आनंद ने कहा, "हमने टीएसपीसी के आठ नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो इंसास राइफल, एक देसी पिस्तौल, 130 कारतूस, चार पहिया वाहन और सात मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।" आनंद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये नक्सली 12 फरवरी को रामगढ़ जिले के पतरातू में जबरन वसूली के प्रयास के दौरान हुई गोलीबारी की घटना में संलिप्त थे। एसडीपीओ के अनुसार, पूछताछ में नक्सलियों ने बताया कि वे टीएसपीसी के स्वयंभू जोनल कमांडर भीखन गजु और स्वयंभू सब-जोनल कमांडर दिनेश उर्फ रवि राम के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

भारत गैस एजेंसी में जबरन बेचा जाता है गैस पाइप

मुरी : फैक्ट्री मोड़ स्थित भारत गैस एजेन्सी(वितरक कोड नम्बर सीसी 431717) में बाध्य कर कुकिंग गैस सिलेंडर पाइप 190 रुपये में बेचा जा रहा है। यहाँ उपभोक्ताओं को घंटों संचालक के इन्तजार में बैठाया जाता है। यहाँ काम करने वाली महिला स्टाफ उपभोक्ताओं से प्रायः बतमीजी से बात करती है। पर्सनल हार्ट करती है। उपभोक्ताओं अपमानित होते रहते हैं। सरकार के तरफ से हमेशा बीच बीच में गाईड लाइन जारी होता है कि किसी तरह का मिसभिएब हो, या गैस के लिए परेशान किया जा रहा हो तो सीधा भारत गैस एजेंसी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800-22-4344.और 7715612345 पर शिकायत दर्ज करे।

जयंती पर याद किये गये भगत सिंह

मुरी : नागरिक अधिकार सुरक्षा मंच के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह जयंती का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अशोक चौधरी ने की। सभी मंच के सदस्य महेश्वर मंडल ज्योति प्रसाद , शंकर महतो, पदमलोचन महतो, अमुल्य रत्न बेदिया, विशाल मुंडा, विकास मुंडा बैधनाथ महतो, चिरंजीव सिंह, अनन्त सिंह मुंडा ने बारी- बारी से भगत सिंह के चित्र पर मल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। शहीद भगत सिंह अमर रहे, इन्कलाब जिन्दाबाद के नारे लगे। इनके साथ- साथ शहीद राजगुरु जिन्दाबाद का नारा गूंजा। इसके अलावा भगत सिंह की जयंती पर बड़ा मुरी शहीद भगत सिंह चौक पर उनके मूर्ति पर मल्यार्पण किया गया।

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह एफएलएन मेला का आयोजन सम्पन्न

चतरा : पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह एफएलएन मेला का भव्य आयोजन डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस चतरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपायुक्त कीर्तिश्री एवं उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन समिति का सशक्तिकरण एवं उन्मुखीकरण, सहकर्मी अधिगम को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम में चतरा विधायक जनार्दन पासवान,सिमरिया विधायक उज्वल कुमार दास, सांसद प्रतिनिधि प्रफुल रंजन, विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश सिंह, चतरा नगर परिषद अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू भाई, जिला परिषद उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, एडीपीओ राकेश कुमार पांडे सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं उद्घोषणा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक मोहम्मद इजाजुल हक द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसएमसी सदस्यों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनके दायित्वों एवं भूमिकाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद इजाजुल हक ने पीएम श्री योजना के छह प्रमुख स्तंभों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। सिमरिया विधायक उज्वल कुमार दास ने पढ़ेगा चतरा, बढ़ेगा झारखंड और भारत का प्रेरणादायक नारा दिया।वहीं चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जिससे समाज एवं देश का परिवर्तन संभव है। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक बच्चे में अपार संभावनाएं निहित होती हैं, आवश्यकता है विद्यालय एवं परिवार में ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करने की, जिससे उनकी प्रतिभा निखर सके। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम श्री विद्यालयों को सभी आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके।कार्यक्रम में 14 पीएम श्री विद्यालयों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें एफएलएन से संबंधित शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इन स्टॉलों के माध्यम से विद्यालयों के बीच उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान हुआ, जिससे नवाचार एवं बेहतर शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा मिला।

इस अवसर पर सीएसओ पार्टनर उत्सव आनंद ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साथ ही झारखंड शिक्षा परियोजना से जुड़े मनोज कुमार विश्वकर्मा,रोहित कुमार सहित अन्य कर्मियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने आयोजन को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन पर बल दिया।

झोलाछाप डॉक्टर का कहर

गलत इंजेक्शन लगाने से मरीज की मौत परिजनों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

चंद्रेश शर्मा/प्रवीण सिंह

चतराः वशिष्ठ नगर थाना जोरी क्षेत्र में एक बार फिर मौत के सौदागर ने अपनी लापरवाही से एक व्यक्ति की जान ले ली है। दन्तार गांव में तथाकथित डॉक्टर शिव शंकर शर्मा उर्फ ठाकुर जी के गलत इंजेक्शन ने 40 वर्षीय विनोद सिंह को मौत की नींद सुला दिया। सबसे शर्मनाक बात यह है कि मरीज की हालत बिगड़ते देख यह झोलाछाप उसे बचाने के बजाय पुलिस से बचने के लिए चकमा देकर फरार हो गया। घटना सोमवार शाम की है, जब मझगांवा निवासी विनोद सिंह मामूली उपचार के लिए झोलाछाप शिव शंकर शर्मा के क्लीनिक पहुँचे थे। मृतक के साले राकेश कुमार सिंह के अनुसार, झोलाछाप डॉक्टर ने लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए विनोद को एक के बाद एक तीन-चार इंजेक्शन ठोक दिए। इन इंजेक्शनों का असर इतना घातक हुआ कि विनोद सिंह वहीं मूर्छित होकर गिर पड़े। जब झोलाछाप डॉक्टर को लगा कि मामला हाथ से निकल गया है, तो उसने चालाकी दिखाई और परिजनों को झांसा देकर विनोद को आनन-फानन में पड़ोसी राज्य बिहार के गया लेकर भागा। लेकिन सोमवार की मध्य रात्रि गया पहुँचते ही विनोद की मौत हो गई, शातिर झोलाछाप अपनी गर्दन फंसती देख मौके से भागने में कामयाब रहा। पीछे छोड़ गया तो बस पीड़ित परिवार की चीखें और एक बेगुनाह की लाश। यह कोई पहली घटना नहीं है। चतरा का हंटरगंज और जोरी इलाका लंबे

समय से इन झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़ बना हुआ है। कुछ महीने पहले जब एसडीओ जहूर आलम अवैध नर्सिंग होम को सील करने पहुँचे थे, तब उन्हें ग्रामीणों के विरोध और फजीहत का सामना करना पड़ा था। जिला प्रशासन ने बार-बार अपील की कि लोग सरकारी अस्पतालों में ही इलाज कराएं, लेकिन सवाल यह है कि ये अवैध दुकानें धड़ल्ले से खुल कैसे रही हैं? क्या इन झोलाछाप डॉक्टरों को कानून का कोई खौफ नहीं है? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा था? फिलहाल, वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर मौजूद हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पुलिस ने आरोपी 'ठाकुर जी' की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। क्लीनिक को पुलिस ने अपने घेरे में ले लिया है, लेकिन आरोपी अब भी गिरफ्त से बाहर है। चतरा पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अगर अब भी इन अवैध क्लीनिकों पर कड़ा प्रहार नहीं किया गया, तो 'ठाकुर जी' जैसे कई और झोलाछाप बेगुनाहों की जान से खिलवाड़ करते रहेंगे।

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

सड़क सुरक्षा व अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति एवं अवैध खनन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। खनन विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी माह तक 71 प्राथमिकी दर्ज करते हुए 152 वाहनों को जप्त किया गया तथा अवैध परिवहन में पकड़े गए 201 वाहनों से 39,13,900 की दंड राशि वसूल की गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में फरवरी माह तक 89 प्राथमिकी दर्ज, 150 वाहन जप्त एवं 186 वाहनों से 30,42,823 की दंड राशि वसूली गई थी।समीक्षा के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने पाया कि चालू वर्ष में प्राथमिकी दर्ज करने की गति अपेक्षाकृत धीमी है। इस पर सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित औचक छापामारी अभियान चलाते हुए अवैध खनन एवं परिवहन के मामलों में सख्ती से प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को कैटेगरी-1 बालूघाटों से प्राप्त राजस्व की मासिक विवरणी विहित प्रपत्र में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि खान एवं भूतत्व विभाग, झारखण्ड, रांची द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के आलोक में संबंधित प्रपत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं, किंतु अब तक कई कार्यालयों से अनुपालन प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर उपायुक्त ने सभी संबंधित कार्यालयों को ससमय प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का कड़ा निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त, सरकार के निर्देशों के आलोक में बालू एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने हेतु जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स के सभी सदस्यों को विशेष सक्रियता के साथ कार्य करने तथा पर्यावरण एवं राजस्व क्षति को न्यूनतम करने के निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने सीसीएल के सभी परियोजना पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि कोयला ढुलाई में लगे सभी वाहनों का वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भीटीडी पंजीकरण सुनिश्चित करें तथा प्रगति प्रतिवेदन अगली बैठक से पूर्व जिला खनन कार्यालय को उपलब्ध कराएं।क्षेत्रीय पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि बिना सीटीई/सीटीओ संचालित क्रशर इकाइयों, खनन पट्टों एवं ईंट भट्ठों के विरुद्ध प्रदूषण नियमों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई करें तथा वैध इकाइयों में भी प्रदूषण मानकों के अनुपालन की नियमित जांच सुनिश्चित करें।बैठक में सड़क सुरक्षा की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए सघन वाहन जांच अभियान चलाने तथा लंबित हिट एंड रन मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। संघरी घाटी क्षेत्र में हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष रणनीति बनाने एवं सख्त निगरानी रखने पर जोर दिया गया।जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि भारी वाहनों, विशेषकर कोयला परिवहन में लगे वाहनों पर कड़ी निगरानी रखते हुए 40 किमी प्रति घंटा की निर्धारित गति सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए।साथ ही, गुड सेमेरिटन पॉलिसी के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें नियमानुसार लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु प्रभावी कदम उठाने पर बल दिया।बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, सिमरिया के अनुमंडल पदाधिकारी सह जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, जिला खनन पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

गैस रिसाव व आगजनी से निपटने का किया गया अभ्यास

संवाददाता

खूंटीः अडानी टोटल गैस लिमिटेड द्वारा खूंटी के बेलाहाथी रोड स्थित अडानी सिटी गैस स्टेशन में किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से लेवल-3 सेफ्टी मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य संभावित गैस रिसाव, आगजनी जैसी अप्रिय घटनाओं के दौरान त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित कर जान-माल की क्षति को रोकना था। बताया गया कि अदानी टोटल गैस लिमिटेड द्वारा खूंटी जिला के बेलाहाथी मार्ग पर सिटी गैस स्टेशन का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन लगभग तीन महीने पूर्व हुआ था। वर्तमान में इस स्टेशन के माध्यम से खूंटी सहित कर्रा, डोरमा, कलामटी और तोरपा के कई पेट्रोल पंपों तक गैस की आपूर्ति वाहनों के जरिए की जा रही है। भविष्य में पाइपलाइन के माध्यम से गैस आपूर्ति की योजना पर कार्य किया जा रहा है। साथ ही खूंटी शहरी क्षेत्र में भी पाइपलाइन बिछाने की तैयारी चल रही है, जिससे घर-घर तक गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इन्हीं तैयारियों के मद्देनजर गैस स्टेशन में किसी भी प्रकार के गैस रिसाव या आगजनी की स्थिति से निपटने के लिए इस उच्च स्तरीय (लेवल-3) मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। मॉकड्रिल में अडानी टोटल गैस लिमिटेड के कर्मचारियों के साथ-साथ खूंटी जिला अग्निशमन विभाग, खूंटी जिला पुलिस टीम तथा सदर अस्पताल खूंटी की मेडिकल टीम और एंबुलेंस दल ने सक्रिय भागीदारी निभाई। मॉकड्रिल के दौरान गैस रिसाव और आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार कर यह अभ्यास किया गया कि सबस्टेशन के कर्मचारी किस प्रकार प्रारंभिक स्तर पर आग पर काबू पा सकते हैं। इसके साथ ही बड़े स्तर की आगजनी और संभावित घायलों की स्थिति में अग्निशमन विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई, तथा घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का भी सफल प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास के जरिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा गया। मॉकड्रिल ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी आपात स्थिति में समय पर कार्रवाई और आपसी तालमेल से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इस दौरान अदानी टोटल गैस लिमिटेड के जीए हेड अश्वनी कुमार, नागमणि कुमार, चंद्रनाथ मरांडी एवं सुरेंद्र यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इंजीनियर की अनुपस्थिति में स्वास्थ्य उप केन्द्र निर्माण का शिलान्यास

मुरी : इंजीनियर की अनुपस्थिति में स्वास्थ्य उप केन्द्र निर्माण का शिलान्यास पूरा। जिसके कारण सिल्ली टुटकी पानी ठंकी के पास बगैर चिन्हित किए जमीन पर शिलान्यास पट के निर्माण के क्रम में गाँव की एक महिला ने जबर्दस्त बिरोध किया। कुछ गाँव के युवक इस गलती को जानने का प्रयास किया तो पता चला कि मौखिक रुप किसी ने बताकर चला गया। सही बात बताने वाला जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है बनाने वाले इंजीनियर नदारद रहे, मुखिया का पता नहीं। विवाद उत्पन्न होने पर प्रखण्ड के सीओ मैडम नहीं पहुची। ठेकेदार शशि कुमार ने विवाद उत्पन्न जमीन पर ही कुर्तक विचार देकर शिलान्यास पट निर्माण करने पर जोर दिया। ठेकेदार के हाव भाव पुरी तरह संदिग्ध लग रहा था। उसे पुछा गया कि कौन सा जमीन पर स्वास्थ्य उप केन्द्र का ले आउट करना है ,तो उसे पता नहीं।लेकिन इतना बताया कि ले आउट करने के छ महीने के भीतर तैयार कर लेगे। केन्द्र के निर्माण लागत पचास हजार बताया। कहीं कहीं ठेकेदार की बातों में अन्तर पडा। इसके वावजूद बिधायक की उपस्थिति में मो बुधनी देवी के कर कमलों से पच्चपन लाख की लागत से स्वास्थ्य उप केन्द्र का शिलान्यास हुआ। तालियां बजी, मिठाई भी बंटी। बिधायक ने विरोध कर रही महिला के बातों को ध्यान से सुना और उसके समस्या के समाधान की बात कही। मौके पर जिला परिषद लक्ष्मी देवी उनके पति अखिल महतो, रमेश सिंह, समीर, देवेन एवं गाँव की महिलाए तथा अन्य सम्मानित लोग पहुंचे थे।

बाइक और कैश वैन की सीधी टक्कर में युवक की मौत

संवाददाता

खूंटी : बिरसा कॉलेज के सामने सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की जान चली गई। यह दुर्घटना करीब रात साढ़े नौ बजे खूंटी-चाईबासा मुख्य मार्ग पर बिरसा कॉलेज के सामने हुई, जहां एक बाइक और कैश वैन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ब्लू रंग की बजाज पल्सर ठर बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन (नंबरः जेएच-09-टी-9957) था, खूंटी की ओर से आ रही थी। जैसे ही बाइक बिरसा कॉलेज गेट के सामने पहुंची, वह अचानक अनियंत्रित हो गई, और सड़क के बीचों-बीच लगाए गए ब्रिकेडिंग से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक और बाइक सवार उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरे, जहां विपरीत दिशा से आ रहे कैश वैन जिसका रजिस्ट्री नंबरः (जेएच-01-ए -7073) था, उस से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक का अगला हिस्सा और हैंडल पूरी तरह टूट गया, जबकि कैश वैन का आगे का चक्का फट गया। घटना के तुरंत बाद बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके माथे में गहरी चोट आई थी, जिससे मौके पर ही उसकी हालत नाजुक हो गई। घटना के बाद कैश वैन चालक फटे चक्के के बावजूद मौके से फरार हो गया। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने उसका पीछा किया और उसे कर्रा रोड में पकड़ लिया। इसके बाद वहां भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही खूंटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कैश वैन व चालक को अपने कब्जे में लेकर थाना ले गई। वहीं स्थानीय लोगों ने घायल युवक को तुरंत सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान खूंटी के डीएवी रोड निवासी सुशील शंकर मुंडू के 29 वर्षीय पुत्र हरि सिंह मुंडू के रूप में हुई है। घटना की खबर मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। घटना के काफी देर तक दुर्घटनाग्रस्त बाइक सड़क किनारे पड़ी रही, जिसे बाद में पुलिस ने जब्त कर थाना ले जाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर लगाए गए बैरिकेडिंग के कारण आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, और इस तरह की बड़ी घटनाएं भी सामने आती रहती हैं।फिलहाल पुलिस पूरे घटना की जांच कर रही है, बताया गया कि कैस वैन में कैमरा लगा है जिसके जांच के बाद साफ हो पाएगा कि ये दुखद घटना कैसे हुई। मृतक युवक के शव को अस्पताल में रखा गया है जहां कल अंत्यपरीक्षण के बाद परिजन को शॉप दिया जाएगा।दर्ज कर ली गई और सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पिठोरिया बिजली ग्रिड के ट्रांसफार्मर से 1000 किलो कॉपर कॉइल चोरी

संवाददाता

रांची: जिले के पिठोरिया स्थित बिजली ग्रिड में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों के द्वारा एक हजार किलो कॉपर कॉइल चोरी कर लिया गया है। कॉपर कॉइल काफी महंगा होता है और बिजली ट्रांसफार्मर के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है।

क्या है पूरा मामला: रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कान्दू बिजली ग्रिड में सोमवार की देर रात बेखौफ चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों ने सब स्टेशन केएसएसटी 33/14 केवी ट्रांसफार्मर्स को निशाना बनाते हुए लगभग 1000 किलो कॉपर कॉइल काटकर अपने साथ ले गए। चोरी की वारदात रात करीब 2:30 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद बिजली विभाग में हड़कंप बच गया। इतने बड़े पैमाने पर कॉपर कॉइल की चोरी ने बिजली ग्रिड की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक 1000 कॉपर कॉइल की कीमत 25 लाख रुपए से भी ज्यादा है।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस: बड़ी चोरी की सूचना मिलते ही हेड क्वार्टर वन डीएसपी अमर कुमार पांडे, इंस्पेक्टर असित मोदी और थाना प्रभारी सतीश पांडे दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में जुट गई। वहीं, सुराग हासिल करने के लिए एफएसएल को भी बुलाया गया है।

डॉग स्क्वायड मौके पर: पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश पांडेय ने बताया कि चोरी की वारदात की जांच की जा रही है। अपराधियों का पता लगाने के लिए मौके पर डॉग स्क्वायड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम बुलाई गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इतनी बड़ी मात्रा में कॉपर ले जाने के पीछे किसी संगठित गिरोह का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

कल्पना सोरेन को दिल्ली में मिला वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेजर्स अवार्ड

रांची: नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में सोमवार को आयोजित ब्रिक्स सीसीआई वीई एनुअल वुमेन समिट एंड फेलिसिटेशन-2026 के दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को प्रतिष्ठित वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेजर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। ब्रिक्स चेंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महिला सशक्तिकरण वर्टिकल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया।

इस मौके पर कल्पना ने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह झारखंड की हर मंइयां और देश-दुनिया की उन अनगिनत महिलाओं का है, जो अपने परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहीं हैं।

आज महिलाएं व्यापार, खेल, अंतरिक्ष, विज्ञान, नवाचार और शासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बाधाओं को पार कर मुकाम हासिल कर रहीं हैं। वे केवल राज्य और देश के विकास का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे इसे गति दे रहीं हैं। हाशिए पर रहनेवाली महिलाओं की आवाज सुनी जाए: कल्पना सोरेन ने कहा कि विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं की आवाज को सुनने और उन्हें अवसरों तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उद्यमी और बदलाव की नायिका के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमों के माध्यम से महिलाओं द्वारा बनाई जा रही आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास की सराहना की।

सशक्तिकरण में निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए: कल्पना ने अपनी हालिया लंदन यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि ऑक्सफोर्ड विवि जैसे संस्थानों में पढ़ रही झारखंड की छात्राओं के जुनून और बाधाओं से जूझने के उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें भविष्य के प्रति अत्यधिक विश्वास और आशा से भर दिया है। सशक्तिकरण केवल समावेश तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि हर महिला को बढ़ने और नेतृत्व करने का समान अवसर मिले।

फिर बदल गया झारखंड का मौसम

छाए बादल, वज्रपात और बारिश का अलर्ट जारी

संवाददाता

रांची: झारखंड में मौसम का मिजाज फिर बदल गया है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। ठंडी हवा चल रही हैं। रांची का मौसम सुहाना हो गया है। मौसम केंद्र, रांची ने अनुमान जताया है कि मंगलवार को रांची, चतरा, गुमला, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा और पलामू के कुछ इलाकों में मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके अलावा बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, रामगढ़, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में भी बारिश और वज्रपात की संभावना है। इसको लेकर आम लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

रांची का अधिकतम पारा 30 डिग्री के नीचे: मौसम केंद्र, रांची के ताजा आंकड़ों के अनुसार झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है। राज्य के प्रमुख शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे या आसपास रहा, जबकि कुछ स्थानों पर तापमान में वृद्धि भी देखी गई। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2.9 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

औद्योगिक शहर जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 21.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से थोड़ा अधिक रहा। डाल्टनगंज राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यहां न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

वहीं बोकारो में अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री और न्यूनतम 18.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम 20.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान चाईबासा के जगन्नाथपुर में 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे यहां सुबह-शाम हल्की ठंड का अहसास हुआ।

कोलियरी खदान से एक बार फिर हुआ केबल लूट 15 हजार की अबादी पर गहरा सकता है जलसंकट

रांची/धनबाद: जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र के रामकनाली ओपी अंतर्गत बीसीसीएल एरिया-4 के रामकनाली कोलियरी से एक बार फिर लूट की खबर सामने आई है। बीती रात अपराधियों ने खदान में धावा बोलकर लगभग 600 फिट केबल काटकर ले गए। इस घटना से न केवल खदान कर्मियों में दहशत फैल गई है, बल्कि आसपास के करीब 15 हजार लोगों की जल आपूर्ति पर भी खतरा मंडरा रहा है।

खदान के मुख्य द्वार को काटकर घुसे अपराधी: जानकारी के मुताबिक, खदान के मुख्य द्वार को काटकर अपराधी खदान में घुसे और खदान में मौजूद सभी कर्मियों से खदान में उपयोग होने वाले कैपलैम्प छीनकर उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद उन्होंने खदान में लगे लाखों रुपये मूल्य के केबल काटकर अपने साथ ले गए। इसी दौरान खदान की टेलीफोन लाइन भी क्षतिग्रस्त कर दी गई। घटना की जानकारी तब मिली जब खदान के कर्मचारी तय समय पर काम खत्म कर बाहर नहीं निकले। खदान के इंचार्ज ने मौके पर जाकर बंधक बने कर्मचारियों को बाहर निकाला और मामले की सूचना बीसीसीएल अधिकारियों को दी।

पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल: रामकनाली ओपी की घटना स्थल से केवल कुछ ही दूरी पर होने के बावजूद भी अपराधी आसानी से खदान में दाखिल हो गए, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं के कारण खदान कर्मियों में डर और चिंता बढ़ गई है। कुछ कर्मी अब खदान में ड्यूटी करने से भी कतरा रहे हैं।

सुरक्षा बढ़ाने की मांग: स्थानीय बीसीसीएल प्रबंधन को सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीआईएसएफ की तैनाती सहित अन्य ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और क्षेत्र की जलापूर्ति बाधित न हो। अधिकारियों ने बताया कि मामले की लिखित सूचना रामकनाली थाना में दर्ज कर दी गई है और जांच प्रक्रिया जारी है। इस वारदात ने स्थानीय प्रशासन और खदान प्रबंधन दोनों के सामने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री चैती पूजा पंडाल पहुंचे डीसी व एसपी, किया गया सम्मानित

रांची: श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के पूजा प्रांगण में आज उपायुक्त , सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी, एसडी एम, एडीएम, कोतवाली डीएसपी एवं कोतवाली थाना प्रभारी का आगमन हुआ। इन लोगों ने मंदिर प्रांगण का निरीक्षण किया साथ ही कुछ दिशा निर्देश भी दिया । महासमिति द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत चुनरी, पगड़ी एवं तलवार देकर किया गया। जिसमें मुख्य रूप से महासमिति के मुख्य संरक्षक रवि कुमार पिंकू, अध्यक्ष शंकर दुबे, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह लल्लू, राहुल सिंह, मनीष कुमार साहू, मुकेश सिंह, आकाश रजक एवं महासमिति के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थिति थे।

महिला की टांगी से काटकर हत्या

चतरा: जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। सदर थाना क्षेत्र के किशनपुर के नारायण बांध टोला की एक 49 वर्षीय महिला गीता देवी की महुआ चुनने के दौरान टांगी से गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। सोमवार शाम से लापता महिला का शव देर रात आरोदाना पानुसहि के जंगल से बरामद हुआ है। इस रूह कंपा देने वाली घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, मृतका गीता देवी सोमवार दोपहर करीब 3 बजे महुआ चुनने घर से निकली थीं। जब वे शाम तक वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने सदर थाना पुलिस के साथ मिलकर पूरी रात जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। रात करीब 1 बजे एक महुआ पेड़ के नीचे गीता देवी का क्षत-विक्षत शव मिला। हत्यारे ने टांगी (कुल्हाड़ी) से उनके गले पर जोरदार प्रहार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया था। मौके से हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी भी बरामद हुई है। सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और अपराधियों की धरपकड़ के लिए सघन छापेमारी की जा रही है। पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है ताकि जल्द से जल्द हत्यारों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके।

पीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का भव्य शुभारंभ

चतरा: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एमएसएमई-विकास कार्यालय, रांची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पीएम विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का शुभारंभ सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य रूप से हुआ। यह मेला 23 से 25 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम का उद्घाटन चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल, उपायुक्त कीर्तिश्री, पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में एमएसएमई विकास कार्यालय, रांची के सहायक निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक सुरेंद्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात निदेशक इंद्रजीत यादव ने मेले के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य पीएम विश्वकर्मा योजना से जुड़े कारीगरों को प्रोत्साहित करना, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उनके हस्तनिर्मित उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है।

हिंदपीढ़ी के बंसी चौक पर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

एक ही पंडाल में छठ पूजा और ईद मिलन का संगम

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी स्थित बंसी चौक में सोमवार को एक ऐसा अद्भुत और भावुक कर देने वाला नजारा देखने को मिला, जिसने इंसानियत और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश कर दी। यहां एक ही पंडाल के नीचे जहां एक ओर आस्था और श्रद्धा के साथ चैती छठ पूजा का आयोजन हो रहा था, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय द्वारा भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

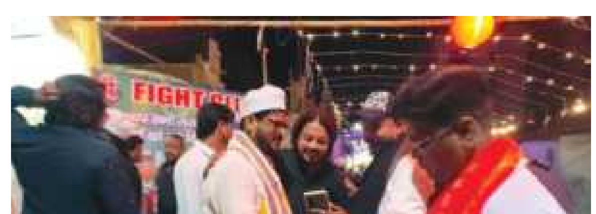

पंडाल में हर तरफ एकता और सौहार्द की झलक साफ नजर आ रही थी। किसी के सिर पर सफेद टोपी और अरबी रूमाल था तो किसी के माथे पर तिलक सजा हुआ था। छठ व्रतियों और रोजेदारों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर खुशियां साझा कीं। सेवइयों की मिठास में छठ का प्रसाद घुल-मिल गया, मानो विविधता में एकता की सच्ची तस्वीर सामने आ गई हो।

इस मौके पर लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई दी और एक सुर में कहा–सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा, हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा।पूरा वातावरण देशभक्ति और भाईचारे की भावना से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय फाइट क्लब के तत्वावधान में किया गया, जिसने सभी आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में प्रेम, एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का काम करते हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक बना, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और एकता में ही निहित है।

शिव महापुराण कथा में बाबा वैद्यनाथ के जयकारों से गूंज उठा पंडाल

सद्गुरु महेश्वर ही होते हैं धरा के सच्चे वैद्यनाथ :डॉ सर्वेश्वर, शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग गाथा का व्याख्यान

मेट्रो रेज

रांची: दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से हरमू मैदान, रांची में 22-28 मार्च 2026 तक सात-दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका समय शाम 3।00 से रात्रि 7।00 बजे तक है। कथा के दूसरे दिवस दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य डॉ सर्वेश्वर जी ने वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग गाथा का वर्णन करते हुए बताया कि लंकापति रावण ने शिव से वरदान स्वरुप अथाह बल का आशीर्वाद पाया और प्रसाद के रूप में शिव ने उसे अपना आत्मलिंग भी प्रदान कर दिया। लेकिन अभिमान के मद में चूर रावण उस आत्मलिंग को सम्भाल ही नहीं पाया और उसे चिताभूमि में रख दिया। परिणामस्वरूप लंकापति रावण उस आत्मलिंग को लंका ले जाने में असफल रहा। आज के समय में ठीक यहीं हालत तो मानव की है, जिसे प्रभु ने इतना सुंदर तन दिया। इस तन के भीतर उनका प्रकाश स्वरुप आत्मलिंग भी स्थित है। लेकिन मानव अपने मन के विकारों के अधीन इस स्वर्णिम अवसर को गँवाता चला जा रहा है। इतना अनमोल जीवन पाकर भी संसार रुपी चिताभूमि में ही रमा है जहाँ केवल दुःख व अशांति है। ऐसे में, जरूरत है एक ऐसे पूर्ण सद्गुरु की जो हमारे मन को वासना की गहरी खाई से निकाल कर साधना की ऊंचाई पर स्थित कर दें। जो हमारे भीतर स्थित शिव के प्रकाशमय आत्मलिंग अर्थात सच्चे ज्योतिर्लिंग का दर्शन करवा दें। तब ही वास्तव में वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की कथा सुनना सार्थक हो पाएगा। जिस प्रकार भोलेनाथ ने वैद्य का रूप धारण कर रावण के कटे हुए शीशों को पुनः स्वस्थ किया ऐसे ही सद्गुरु भी वैद्यनाथ का रूप धारण कर बार-बार नीचे गिरती हुई हमारी मानसिकता का उपचार करते हैं। उसे ब्रह्मज्ञान की औषधि के द्वारा पुनः स्वस्थ करते हैं और फिर मानव का मन भी प्रभु के ध्यान में निमग्न हो शाश्वत आनंद प्राप्त कर पाता है। इस अवसर पर कथा पंडाल में शिवरात्रि महोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें भक्तों ने नृत्य कर खूब आनंद लूटा। कार्यक्रम में विशिष्ट तिथि के रूप में बीजेपी झारखंड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह , कार्यक्रम के सफल आयोजन में मनोज कुमार पंकज इंद्रजीत यादव, सुभाष मुखर्जी प्रमोद कुमार ,अजय झा ,सौरभ नर्सरिया ,दीपक मिश्रा, सुबोध मिश्रा संगीता कुमारी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

सोशल मीडिया से जुड़ी अराजकता बड़ी चुनौती

डिजिटल क्रांति के दौर में सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। लेकिन जब इसके दुरुपयोग के खतरे सामने आते हैं तो चिंता होना स्वाभाविक है। ताजा चिंता सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कहते व्यक्त की है कि आज मोबाइल रखने वाला हर व्यक्ति स्वयं को 'मीडिया' समझने लगा है। चिंता यह भी कि इस दुष्प्रवृत्ति के साथ आई अराजकता अब न्याय व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही है। दरअसल, शीर्ष अदालत उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों की फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डाल देती है। इससे लोगों के मन में पहले से ही आरोपी के खिलाफ धारणा बन जाती है। बाद में अगर सबूतों के अभाव में कोर्ट उसे बरी कर दे तो लोग सवाल उठाने लगते हैं। पुलिस की यह भूमिका तो चिंताजनक है ही, अदालत ने यह भी कहा कि केवल पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट की बात करने से काम नहीं चलेगा। पुलिस को तो एसओपी से नियंत्रित कर सकते हैं, लेकिन आम आदमी को कैसे नियंत्रित किया जाएगा, यह बड़ा सवाल है। हादसे के समय लोगों की पहली प्रतिक्रिया पीड़ित की मदद करना नहीं, बल्कि वीडियो बनाना हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान इस प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई गई कि क्या आरोप सिद्ध होने से पहले ही किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से दोषी ठहराना न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत नहीं है? अन्य लोकतांत्रिक देशों की तुलना में भारत में इस विषय पर स्पष्ट और कठोर नियमों का अभाव दिखाई देता है। कई देशों में आरोपी की फोटो तभी जारी की जाती है जब वह फरार हो, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हो या उसकी पहचान से जांच में ठोस मदद मिल सकती हो। यूरोप के कुछ देशों में तो दोष सिद्ध होने से पहले पहचान उजागर करना कानूनी जोखिम पैदा कर सकता है और अक्सर चेहरे को धुंधला करके ही आरोपी की फोटो प्रकाशित की जाती है। इसके विपरीत भारत में यह निर्णय अक्सर परिस्थितियों और विवेक पर छोड़ दिया जाता है, जिससे असमानता और अतिरेक दोनों की संभावना बनी रहती है। दरअसल समस्या तकनीक की नहीं, बल्कि उसके दुरुपयोग की है। सोशल मीडिया में जिम्मेदारी का भाव विकसित नहीं हुआ। बिना सत्यापन के सामग्री साझा करना, अधूरी जानकारी के आधार पर राय बनाना- ये सब लोकतांत्रिक समाज के लिए खतरनाक संकेत हैं। इस संदर्भ में केवल कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। डिजिटल साक्षरता, मीडिया नैतिकता और नागरिक जिम्मेदारी पर व्यापक जनजागरण आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सरकार और नागरिक समाज- सभी को मिलकर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें सूचना की स्वतंत्रता और न्याय की निष्पक्षता दोनों सुरक्षित रह सके। आरोपी की गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितने कि पीड़ित के अधिकार।

फिलहाल आर्थिक मंदी नहीं

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का मानना है कि ईरान युद्ध के कारण विश्व खतरनाक ऊर्जा-संकट की दहलीज पर है। युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से तेल-गैस ठिकानों को इतना तबाह, बर्बाद किया गया है कि उनकी भरपाई में सालों का वक्त लगेगा। ऊर्जा-संकट के साथ खाद्य-संकट भी जुड़ा है। इस समय करीब 32 करोड़ लोग दुनिया में खाद्य-सुरक्षा के लिए जूझ रहे हैं। इसी दौरान मूडीज जैसी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का आकलन सामने आया है कि वैश्विक आर्थिक मंदी के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। जिस अमरीका ने इजरायल के साथ मिल कर ईरान पर हमलों की शुरूआत की थी, उसी देश में, 12 माह की अवधि में, करीब 49 फीसदी आर्थिक मंदी की संभावनाएं हैं। अमरीका की जीडीपी 2934 लाख करोड़ रुपए (करीब 30.6 ट्रिलियन डॉलर) की है, जबकि कर्ज 3640 लाख करोड़ रुपए (करीब 39 ट्रिलियन डॉलर) हो गया है। अमेरिका में पेट्रोल-डीजल के दाम भी 17-20 फीसदी तक बढ़ गए हैं, जबकि अमेरिका खुद तेल-गैस का उत्पादक देश है। नतीजतन अब अमेरिका की जनता और विपक्ष राष्ट्रपति ट्रंप को गरियाते हुए सवाल करने लगे हैं कि ईरान के खिलाफ युद्ध क्यों छेड़ा गया? यह सरासर अवैध, अनैतिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ यौद्धिक कार्रवाई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक रपट के मुताबिक, इस साल के अंत तक वैश्विक आर्थिक विकास दर में 0.7 फीसदी की कमी हो सकती है। यह अरबों रुपए की राशि बनती है। कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि ईरान युद्ध लंबा चला, तो 1929 वाली महामंदी का दौर भी आ सकता है। यदि कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत में भी महंगाई दर 5-6 फीसदी तक बढ़ सकती है। यदि ईरान के दावों के मुताबिक, कच्चा तेल 200 डॉलर तक उछलता है, तो भारत में महंगाई दर 7-8 फीसदी तक पहुंच सकती है। फिलहाल महंगाई दर 3 फीसदी से कुछ अधिक है। वैसे भारत 12-14 फीसदी तक की मुद्रास्फीति झेल चुका है। भारत की जीडीपी भी 1-2 फीसदी कम हो सकती है, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था क्रैश होने की स्थिति में नहीं है और न ही मंदी के पुख्ता आसार हैं। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि युद्ध के बाद भी भारत की विकास दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जो विश्व में सर्वाधिक होगी। यदि विकास दर 7 फीसदी से अधिक से लुढक कर 3 फीसदी पर आती है, तो हमें आर्थिक मंदी की चिंता करनी होगी। अर्थशास्त्री भारत सरकार से यह आग्रह भी कर रहे हैं कि सरकार तेल से करीब 7 लाख करोड़ रुपए सालाना कमाती है। ईरान युद्ध हमारे लिए एक झटका है, फिलहाल संकट की स्थिति नहीं है। झटके के असर को कम करने के लिए सरकार तेल की कमाई में से कुछ खर्च कर उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है। अभी हमें प्रतीक्षा करनी होगी कि युद्ध के बाद कच्चे तेल के दाम कहां स्थिर होते हैं-80 या 90 डॉलर प्रति बैरल! उसके मुताबिक ही नई नीतियां बनानी होंगी। फिलहाल डॉलर के मुकाबले हमारी मुद्रा रुपया सार्वकालिक निचले स्तर पर है। यह भी हमारी अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार, अंतरराष्ट्रीय खरीद और भुगतान आदि को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। ईरान ने अभी तक 9 देशों के 39 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं, नतीजतन तेल-गैस की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि उन्होंने या तो उत्पादन बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम कर दिए हैं। भारत में तेल की किल्लत नहीं है। बहरहाल समस्याएं और सवाल तो हैं, लेकिन मंदी की भयावह स्थिति नहीं है।

निद्रा व मूड स्विंग के दुष्चक्र में उलझी युवा पीढ़ी

मूड स्विंग शब्द का सबसे पहले उल्लेख 1916 में सदर्न मेडिकल जर्नल में मिलता है। इटली के यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एंड फामेर्सी के मनोवैज्ञानिकों के अनुसार नींद की कमी के कारण बार-बार खाने की इच्छा भी होने लगती है और इससे मोटापा भी बढ़ता है, सर्दी जुकाम और हृदय गति बढ़ना, रक्तचाप बढ़ने-घटने जैसे हालात होने लगते हैं।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

आज की जीवनशैली से युवा मूड स्विंग के सहज शिकार हो रहे हैं। काम का अत्यधिक बोझ, समय-असमय ऑनलाइन और हाइब्रिड मीटिंगों का दौर, कहने को कार्य समय निर्धारित होने के बावजूद इंटरनेट की दुनिया में कभी भी कहीं भी किसी भी समय पर ऑनलाइन होने का दबाव और इसी तरह की गतिविधियों के कारण युवाओं की जीवनशैली बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इससे उनमें अनिद्रा की शिकायत देखी जा रही है। मानसिक तनाव और मनोवैज्ञानिक दबाव के चलते नींद पूरी नहीं हो पाती है और इसके साइड इफेक्ट के तौर पर मूड स्विंग, ब्रेन फॉग आम होते जा रहे हैं।

पूरी नींद स्वस्थ शरीर की पहली आवश्यकता है। स्वस्थ शरीर के लिए 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी मानी गई हैं। एम्स के मनोचिकित्सक डॉक्टर श्रीनिवास टी के अनुसार नींद केवल आराम नहीं, बल्कि दिमाग और भावनाओं को नए सिरे से तैयार करती है। हार्मोन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। वैसे भी शारीरिक और मानसिक थकावट को नींद कुछ ही क्षणों में दूर कर देती है और पूरी नींद होने के बाद व्यक्ति तरोताजा महसूस करता है। हमारी जीवनशैली और चारों ओर के जाने-अनजाने दबाव ही इतने हो जाते हैं कि नींद पूरी ही नहीं हो पाती और मूड स्विंग जैसे हालात होने लगे हैं। मूड स्विंग शब्द का सबसे पहले उल्लेख 1916 में सदर्न मेडिकल जर्नल में मिलता है। इटली के यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एंड फामेर्सी के मनोवैज्ञानिकों के अनुसार नींद की कमी के कारण बार-बार खाने की इच्छा भी होने लगती है और इससे मोटापा भी बढ़ता है, सर्दी जुकाम और हृदय गति बढ़ना, रक्तचाप बढ़ने-घटने जैसे हालात होने लगते हैं।

बीसवीं सदी में तो मूड स्विंग आम होता जा रहा है। नींद पूरी नहीं होने के कारण जहां आलस्य, थकावट और स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं हो जाती हैं। स्लीप साइकिल प्रभावित होने लगता है। मूड स्विंग ऐसा नहीं है कि कोई लाइलाज हो। अब स्लीप बैंक का कंसेप्ट भी सामने आ रहा है। जब आपको लगे कि काम का बोझ अधिक होने वाला है तो समय निकाल कर कुछ समय सोकर आराम किया जा सकता है। देखा जाए तो जीवनशैली में बदलाव से इसका आसानी से हल खोजा जा सकता है। नींद नहीं आने या यों कहें कि अनिद्रा को नियमित जीवनशैली से ठीक किया जा सकता है। इसके लिए रात को समय पर खाना खाने, सोने का समय तय करने, ऑनलाइन स्क्रीन पर रहने की समय सीमा तय करने, योग-ध्यान और व्यायाम, तनाव कम करने के कारण खोजने, परिवार के साथ अधिक समय बिताने, समय का समग्र प्रबंधन तय करने से काफी कुछ समाधान खोजा जा सकता है। मूड ट्रेकर के माध्यम से भी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। डायरी लेखन इसका एक समाधान हो सकता है।

बुद्धिमत्ता पर असर डाल रहा वायु प्रदूषणः विकासशील देशों पर प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं।

वायु प्रदूषण अब गंभीर जानलेवा समस्या बन गया है। यह शरीर के हर अंग को प्रभावित कर रहा है। इसका मस्तिष्क पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, जिससे डिमेंशिया का खतरा बढ़ गया है। कारण अब वातावरण में मानक से भी ढाई गुणा ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। अब तो वायु प्रदूषण बच्चों की बुद्धिमता पर भी असर डाल रहा है। एनपीजे क्लीन एयर नाम से प्रकाशित शोध में इस तथ्य का खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण के कारण इंसान की सोचने-समझने की शक्ति आइक्यू भी प्रभावित हो रही है। बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कुल 134 देशों में मौजूद 7800 से अधिक शहरों में सेटेलाइट से सूक्ष्म कणों के लॉन्ग-लीनियर मॉडल का इस्तेमाल कर गणना की कि वायु प्रदूषण का आइक्यू पर कितना असर पड़ सकता है।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद कहा है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण) की वजह से पूरी दुनिया की आबादी को 65 अरब आइक्यू अंक का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार पीएम कण इतने सूक्ष्म हैं कि वे शरीर के म्माध्यम से सीधे मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। इससे दिमाग में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा हो रही है। धूल के इन कणों में कैडमियम, मैगनीज और आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुएं होती हैं, जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए बेहद हानिकारक हैं। यह खतरनाक स्थिति है। दरअसल वैज्ञानिकों ने यह शोध आइक्यू एक संख्या मानकर किया है जो यह बताती है कि किसी व्यक्ति की सोचने, समझने, तर्क करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता, उसकी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में कितनी है। उन्होंने शोध में पाया कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 के हर एक माइक्रोग्राम बढ़ने पर आइक्यू स्कोर में कितनी गिरावट आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रति व्यक्ति आइक्यू हानि का स्तर उन्नत देशों में ज्यादा है, जहां पीएम 2.5 का स्तर बहुत ज्यादा है। भारत में अत्यधिक प्रदूषण के कारण आइक्यू का नुकसान 20 अंक तक पहुंच गया है। कम और मध्यम आय वाले देश इस संकट की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। इस दृष्टि से भारत में नुकसान ज्यादा है। शोध के अनुसार इससे बच्चों का विकास सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। यही नहीं सूक्ष्म कणों के असर से गर्भवती महिलाओं पर इसका ज्यादा खतरा है। गर्भावस्था के दौरान सूक्ष्म कणों का प्रभाव (1 से 6 अंक की हानि) या शराब के सेवन (3 से 7 अंक की हानि) जैसे स्थापित जोखिम कारकों के समान है। विकासशील देशों पर प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं। हकीकत यह है कि वायु प्रदूषण से हर साल तकरीबन 20 लाख से ज्यादा लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। जहां तक दिल्ली का सवाल है, वह आज भी सबसे गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करने को विवश है। इसका एक सबसे बड़ा कारण यह है कि यहां पीएम 2.5 का सालाना औसत आज भी सर्वाधिक है। चिंतनीय यह कि यहां पर गंभीर और आपात श्रेणी के वायु गुणवत्ता वाले दिनों की तादाद सबसे ज्यादा दिनों की अवधि तक बनी रहती है। अब तो सर्दियों के दिनों में उत्तरी भारत के मुकाबले साफ माने जाने वाले देश के दक्षिणी राज्यों के प्रमुख शहर चेन्नई और बेंगलूरु में वायु गुणवत्ता बिगड़ने के संकेत मिल रहे हैं जो एक खतरनाक नया जोखिम है। इसके पीछे मौसम को जिम्मेदार बताया जा रहा है। असलियत में अब वायु प्रदूषण केवल सर्दियों के मौसम का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि सालभर जारी रहने वाला गंभीर स्वास्थ्य खतरा बन चुका है। भारत में सभी श्वसन संबंधी मौतों में से एक तिहाई से अधिक वायु गुणवत्ता से जुड़ी हैं। गौरतलब है कि शुद्ध हवा व पानी अनिवार्य तत्व हैं। जाहिर है इनकी अनिवार्यता का कोई विकल्प नहीं है। इसके लिए संकीर्ण राजनीति और तंत्र की नाकामी जिम्मेदार है। यहां इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि आज जब दुनिया के कई शहर प्रदूषण मुक्त हो चुके हैं व वहां की नदियां भी प्रदूषण मुक्त होकर बह रही हैं, उस दशा में हम क्यों नाकाम हो रहे हैं। यह चिंतनीय और विचार का विषय है।

इच्छा मृत्यु : पीड़ा से मुक्ति का मानवीय रास्ता पीएचडी ईरान

हरीश राणा हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के जयसिंहपुर उपमंडल की सरी पंचायत के पलेटा गांव से संबंध रखते थे। वे 13 वर्षों से कोमा और वेजिटेटिव अवस्था में थे। वर्ष 2013 में एक दुर्घटना में चौथी मंजिल से गिरने के कारण उन्हें गंभीर मस्तिष्क चोट लगी थी, जिसके बाद से वे न तो बोल सकते थे, न ही चल सकते थे और न ही सामान्य जीवन जीने की कोई संभावना बची थी। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार उनके ठीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी थी। दो अलग-अलग मेडिकल बोर्डों ने भी यह निष्कर्ष दिया कि उनकी स्थिति अपरिवर्तनीय (इरिवर्सिबल) है और आगे चिकित्सा उपचार से सुधार संभव नहीं है। ऐसी परिस्थिति में उनके माता-पिता ने अदालत से अपील की कि उनके बेटे को इस लंबी पीड़ा से मुक्ति दी जाए ।

भारतीय समाज में जीवन को ईश्वर का अमूल्य उपहार माना जाता है, लेकिन जब वही जीवन असहनीय पीड़ा, बेहोशी और पूर्ण असहायता में बदल जाए, तब मानवता एक कठिन प्रश्न के सामने खड़ी हो जाती है- क्या ऐसी स्थिति में व्यक्ति को सम्मानजनक मृत्यु का अधिकार मिलना चाहिए? हाल ही में हरीश राणा के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई इच्छा मृत्यु (पैसिव यूथेनेसिया) की अनुमति ने इसी प्रश्न को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। यह घटना न केवल भावनात्मक रूप से अत्यंत पीड़ादायक है, बल्कि यह मानवाधिकार, चिकित्सा नैतिकता और न्यायिक संवेदनशीलता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण भी है।

13 वर्षों की पीड़ा की कहानीः हरीश राणा हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के जयसिंहपुर उपमंडल की सरी पंचायत के पलेटा गांव से संबंध रखते थे। वे 13 वर्षों से कोमा और वेजिटेटिव अवस्था में थे। वर्ष 2013 में एक दुर्घटना में चौथी मंजिल से गिरने के कारण उन्हें गंभीर मस्तिष्क चोट लगी थी, जिसके बाद से वे न तो बोल सकते थे, न ही चल सकते थे और न ही सामान्य जीवन जीने की कोई संभावना बची थी। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार उनके ठीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी थी। दो अलग-अलग मेडिकल बोर्डों ने भी यह निष्कर्ष दिया कि उनकी स्थिति अपरिवर्तनीय (इरिवर्सिबल) है और आगे चिकित्सा उपचार से सुधार संभव नहीं है। ऐसी परिस्थिति में उनके माता-पिता ने अदालत से अपील की कि उनके बेटे को इस लंबी पीड़ा से मुक्ति दी जाए। अंततः सर्वोच्च न्यायालय ने जीवन रक्षक चिकित्सा उपचार हटाने की अनुमति दी, जिसे पैसिव यूथेनेसिया कहा जाता है।

भारत में इच्छामृत्यु का कानूनी परिप्रेक्ष्यः भारत में सक्रिय इच्छामृत्यु (एक्टिव यूथेनेसिया) अभी भी अवैध है, लेकिन पैसिव यूथेनेसिया को सीमित परिस्थितियों में अनुमति दी गई है। 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने कॉमन कॉज बनाम भारत सरकार मामले में यह माना कि सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। हरीश राणा का मामला इसलिए ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि यह उन शुरूआती मामलों में से है जिसमें अदालत ने स्पष्ट रूप से जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति दी।

चिकित्सा और मानवीय दृष्टिकोण : चिकित्सा विज्ञान का मूल उद्देश्य जीवन बचाना है, लेकिन जब चिकित्सा केवल शरीर को मशीनों और कृत्रिम साधनों से जीवित रखे और व्यक्ति की चेतना, भावनाएं और जीवन की गुणवत्ता समाप्त हो जाए, तब डॉक्टरों के सामने नैतिक दुविधा पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष लगभग 4 करोड़ से अधिक लोग जीवन के अंतिम चरण में पालीएटिव केयर की आवश्यकता महसूस करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे रोगियों की होती है जिनकी बीमारी लाइलाज होती है और जो लंबे समय तक असहनीय पीड़ा में रहते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो इच्छामृत्यु केवल मृत्यु का प्रश्न नहीं है, बल्कि मानवीय गरिमा और पीड़ा से मुक्ति का प्रश्न भी है।

परिवार की पीड़ा और त्याग : हरीश राणा का मामला केवल कानून या चिकित्सा का विषय नहीं था, बल्कि यह एक परिवार के 13 वर्षों के संघर्ष और पीड़ा की कहानी भी है। उनके माता-पिता ने अपने बेटे की देखभाल में अपना घर तक बेच दिया और वर्षों तक उम्मीद बनाए रखी। जब सभी चिकित्सकीय संभावनाएं समाप्त हो गईं, तब उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि उनके बेटे को गरिमापूर्ण विदाई दी जाए। यह निर्णय उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद कठिन था, लेकिन उन्होंने इसे अपने बेटे की पीड़ा को समाप्त करने का एक मानवीय कदम माना।

समाज के लिए संदेशः हरीश राणा का मामला भारतीय समाज के **सामने कई महत्वपूर्ण प्रश्न छोड़ता है :** क्या जीवन केवल सांस लेने का नाम है या उसकी गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण है?

किसी व्यक्ति को असहनीय पीड़ा से मुक्ति का अधिकार होना चाहिए? : क्या भारत को इच्छामृत्यु पर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाने की आवश्यकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में एंड ऑफ लाइफ केयर और इच्छामृत्यु से संबंधित स्पष्ट नीतियों की आवश्यकता है, ताकि ऐसे मामलों में परिवारों और डॉक्टरों को अनिश्चितता का सामना न करना पड़े। हरीश राणा को इच्छामृत्यु मिलना निस्संदेह एक अत्यंत दुखद घटना है, क्योंकि हर जीवन मूल्यवान होता है। परंतु जब जीवन असहनीय पीड़ा और निराशा का पर्याय बन जाए, तब सम्मानजनक मृत्यु भी एक मानवीय विकल्प बन सकती है। यह घटना हमें यह सिखाती है कि मानवता केवल जीवन बचाने में ही नहीं, बल्कि दुख और पीड़ा को समझने और उसे समाप्त करने के साहसिक निर्णय में भी निहित है। जब किसी व्यक्ति के अंग ठीक ढंग से काम न कर रहे हों, तो उसके लिए इच्छा मृत्यु ही मार्ग है, पीड़ा से मुक्ति का यही एक मार्ग है। हो सकता है, कुछ लोग इससे सहमत न हों, परंतु विश्व के कई देशों में इच्छा मृत्यु की व्यवस्था की गई है।

मौन ही सृजन की जननी है

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

गहरी शांति सृजन की जननी है। जो व्यक्ति बहुत व्यस्त, चिंतित, अति महत्त्वाकांक्षी या आलसी होता है, उसमें कोई सृजनशीलता नहीं हो सकती। एक बेचैन व्यक्ति आविष्कारक नहीं बन सकता। आप कह सकते हैं कि यह विरोधाभासी है, क्योंकि कुछ वैज्ञानिकों ने महान खोजें की और वे ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने के लिए बेचैन थे। उदाहरण के लिए आर्किमिडीज बहुत बेचैन थे, लेकिन उन्होंने उत्प्लावन के सिद्धांत की खोज कब की? उन्होंने इसकी खोज तब की जब वे बाथटब में आराम कर रहे थे। मन और शरीर विपरीत नियमों पर कार्य करते हैं। शारीरिक स्तर पर, जितना अधिक प्रयास, उतना ही बेहतर परिणाम। वहीं मानसिक स्तर पर रचनात्मकता के स्तर पर, जितना कम प्रयास, उतना ही बेहतर परिणाम। जब मन तनाव मुक्त होना और आराम करना सीख जाता है, तभी विचार उत्पन्न होते हैं। क्या आपने कभी गौर किया है, अगर आप कुछ भूल गए हैं, तो उसे याद करने में जितना अधिक प्रयास करते हैं, उतना ही अधिक समय लगता है? जितनी जल्दी आप तनाव मुक्त होंगे, विचार उतनी ही तेजी से आएंगे। यदि आप इस ग्रह पर हुए हर आविष्कार को ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि यह तब हुआ है जब लोग बेचैनी, हताशा और निराशा से उबर चुके थे। यह तब हुआ जब वे एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गए जहां वे टूट चुके थे और उन्होंने विश्राम किया। पूर्ण विश्राम के उस क्षण में, उनकी रचनात्मकता का विकास हुआ। लेकिन हम इसे गलत तरीके से समझते हैं। हम सोचते हैं कि शांत मन रचनात्मकता के विपरीत होता है। हम सोचते हैं कि हम तभी रचनात्मक हो सकते हैं जब हम बेचैन और उत्तेजित हों। यह सवाल अकसर हमारे मन में आता है, अरे, जब आप शांत हों तो रचनात्मक कैसे हो सकते हैं? मतलब आलस्य नहीं होता। बेचैनी तनाव का परिणाम है। तनाव तब उत्पन्न होता है जब कम समय में बहुत कुछ करना होता है और उसे करने की ऊर्जा नहीं होती। कभी-कभी थोड़ा बहुत तनाव आपको अधिक काम करने के लिए प्रेरित कर सकता है। लेकिन मैं तनाव को लोगों को अधिक काम करने या रचनात्मक कार्य करने के लिए मुख्य प्रेरक कारक नहीं मानता। अकसर लोग कहते हैं कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। मुझे लगता है कि यह बात अब पुरानी हो चुकी है।

आपके पत्र

भारत का नया दौर

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जो इतिहास का स्थायी हिस्सा बन जाते हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब सामने आया जब नरेंद्र मोदी देश में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर 8931 दिनों तक शासन का नेतृत्व करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप का भी संकेत है।

इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के लंबे समय तक बने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो स्वयं स्थिर शासन और विकास के प्रतीक माने जाते रहे हैं। नरेंद्र मोदी का यह सफर साधारण परिस्थितियों से शुरू होकर असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी है।

केपी सिंह, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

कल निकलेगी भव्य रामनवमी शोभायात्रा मुख्य अतिथि होंगे लाल बाबा

साहिबगंज : आगामी 25 मार्च को रामनवमी के पावन पर्व पर साहिबगंज नगर में एक विशाल और भव्य पैदल शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है।जिसकी जानकारी बजरंग दल के जिला संयोजक करण सिंह यादव ने दिया।उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद् एवं बजरंग दल के नेतृत्व मे आयोजित किया जायेगा।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में श्री लाल बाबा उपस्थित रहेंगे।करण सिंह यादव ने बताया कि यह शोभायात्रा शाम 4:30 बजे मां तारा मंदिर से पूरे उत्साह,गाजे-बाजे और डीजे के साथ प्रारंभ होगी।यह शोभायात्रा मां तारा मंदिर से शुरू होकर यह यात्रा नगर थाना,चौक बाजार,बाटा रोड,गांधी चौक,रेलवे स्टेशन,कॉलेज रोड,पूर्वी फाटक,एसडीओ कोठी होते हुए गुजरेगी।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का विधिवत और शांतिपूर्ण समापन माँ गंगा के पावन तट पर किया जाएगा।आयोजन समिति ने बताया कि शोभायात्रा पूर्णतः शांतिपूर्ण और अनुशासित होगी,जिसमें प्रशासन के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।उन्होंने नगर के सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि समय पर मां तारा मंदिर पहुंचकर इस भव्य शोभायात्रा में शामिल होंकर धर्म लाभ उठाएं।

आईटीडीए कल्याण व समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की हुई समीक्षा

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आई०टी०डी०ए०, कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण और संचालन की प्रगति की जानकारी ली जिसमें पोषण ट्रैकर में नियमित प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका व सहायिका के चयन प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सभी रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश भी दिए।इसके अतिरिक्त सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना पोषण ट्रैकर ऐप प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना कन्यादान योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने पर बल दिया।कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लाभुकों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही कल्याण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने छात्रावास निर्माण कार्यों की प्रगति और कब्रिस्तान घेराबंदी कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सीडीपीओ महिला पर्यवेक्षिका सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम के लिए 30 मार्च से एचपीभी टीकाकरण अभियान शुरू

साहिबगंज : सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह टीकाकरण कार्यक्रम 30 मार्च, 2026 से प्रारंभ होकर अगले तीन माह तक संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु पूर्ण एवं 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिकाओं को लक्षित किया गया है।एचपीवी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस एक सामान्य वायरस है, जो मुख्य रूप से सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। इस टीकाकरण के माध्यम से बालिकाओं को भविष्य में इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है।यह टीकाकरण सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी इस महत्वपूर्ण पहल का लाभ उठा सकें।अभिभावकों से अपील की जाती है कि वे अपनी बालिकाओं को निर्धारित समय पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाकर टीकाकरण अवश्य कराएं। यह एक सुरक्षित व प्रभावी उपाय है।जो सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।स्वास्थ्य विभाग सभी नागरिकों से इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा करता है।

ज्वेलरी शॉप से लाखों की चोरी मामले में ओडिशा पुलिस का राधानगर में छापा

साहिबगंज/उधवा : ज्वेलरी दुकान में हुई लाखों रुपए की चोरी के मामले में ओडिशा पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से राधानगर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात को छापेमारी की। हालांकि छापेमारी के दौरान पुलिस को कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी। बताया जाता है कि बीते फरवरी माह में ओडिशा के एक शहर स्थित ज्वेलरी दुकान में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर लाखों रुपए के कीमती जेवरात चोरी कर लिए थे और मौके से फरार हो गए थे। इस घटना के बाद ओडिशा पुलिस लगातार मामले की छानबीन में जुटी हुई थी। पुलिस ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। इसी क्रम में पुलिस को साहेबगंज जिले के एक सक्रिय चोर गिरोह पर संदेह हुआ। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के रहने वाले आरोपी अलाम शेख को गिरफ्तार कर लिया। निशानदेही पर ओडिशा पुलिस ने राधानगर थाना पुलिस के साथ मिलकर अमानत पंचायत के निवासी अमीर शेख के घर पर छापेमारी की। हालांकि इस दौरान पुलिस को कोई आपत्तिजनक सामान या चोरी के जेवरात बरामद नहीं हो सके।पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस चोरी की वारदात में तीन अन्य आरोपियों के शामिल होने की भी आशंका है। हालांकि अब तक उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। पुलिस उनकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

त्योहार में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसडीओ

साहिबगंज/उधवा : रामनवमी और चैती दुर्गा पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ सदानंद महतो ने की जिसमें एसडीपीओ राजमहल विमलेश कुमार त्रिपाठी बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज समेत कई जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि सभी जुलूस पूर्व निर्धारित रूट चार्ट एवं समय के अनुसार ही निकाले जाएं।उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन द्वारा तय नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए त्योहार मनाएं और किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें। वही एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

बिंदुधाम मंदिर रामनवमी मेला व शतचण्डी महायज्ञ का हुआ शुभारंभ भारी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

मेले व महायज्ञ का शुभारंभ झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोश्वामी ने फीता काटकर किया

संवाददाता

साहिबगंज/पतना : जिला के सुप्रसिद्ध बिंदुधाम मंदिर में शतचण्डी महायज्ञ व रामनवमी मेले का शुभारंभ सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय गोश्वामी,राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकरी नितिन खंडेलवाल द्वारा संयुक्त रूप से बिंदुधाम मंदिर मुख्य द्वार पर फीता काट कर किया गया,तत्पश्चात मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सम्मान सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया।उपस्थित सभी प्रसासनिक पदाधिकारियों एवं गणमान्यों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संबोधित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति रामनवमी महोत्सव बिंदुधाम मंदिर में सैकड़ो वर्षों से धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है और इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति और स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग रहता है मां विंध्यवासिनी की कृपा से मंदिर में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं भी पूरी होती है मंदिर के विकास एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सभी का है,और हम पूरी निष्ठा के साथ इसका निर्वहन करते है।मंदिर परिसर में जो सभी समस्याएं और जीर्णोद्धार की कमी रही उसे धीरे- धीरे दूर की जा रही है।वहीं बरहरवा एसडीपीओ श्री खंडेलवाल ने कहा कि पूजनोत्सव और मेले को शांतिपूर्ण ढंग से व्यवस्थित करने के लिए पुलिस प्रसाशन पूर्ण रूप से तैयार है,सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी करा दी गई है।थाना द्वारा लगातार पेट्रोलिग भी की जाएगी,इसके अलावे किसी प्रकार की समस्या होती है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें,माता के आशीर्वाद से समस्याओं का तुरन्त समाधान किया जाएगा।इधर हजारो की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन महायज्ञ के दौरान देखने को मिला जय माता दी और राम नाम से पूरा मंदिर भक्तिमय हो उठा।मौके प्रखंड विकास पदाधिकारी पतना कुमार देवेश द्विवेदी,प्रखंड बिकास पदाधिकारी बरहरवा सन्नी कुमार दास,अंचलाधिकारी अनुज कुमार,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ,बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार,बिंदुधाम प्रबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन,सचिव दिनेश कर्मकार,उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव,नीलकंठ साह,भरत कुमार,संदीप भगत,बलराम साहा,सहित सदस्यगण उपस्थित थे।

महायज्ञ की विशेषता

बिंदुधाम मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार से होने वाली पांच दिवसीय शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ वैदिक मंत्रोचार के साथ किया गया।सर्वप्रथम बेदी पूजन तथा गौ पूजन के बाद शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ बनारस से आचार्य के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोचार के साथ चंदन की लकड़ी के घर्षण से अग्नि प्रज्वलित कर किया गया।यज्ञ के शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर भक्ति में हो गया पूरा मंदिर परिसर विन्दुवासिनी माता की जय,पहाड़ी बाबा की जय,हर हर महादेव आदि जयघोष से गुंजायमान में हो उठा।यज्ञ के शुरू होते ही श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा शुरू कर दिया।यज्ञ में बरहरवा,बरहेट, बोरियो,राजमहल,उधवा,पश्चिम बंगाल के फरक्का,मालदा,कोलकाता,बिहार के भागलपुर,लखीसराय,पटना सहित कई अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालु भी शामिल हुए।

जल ही जीवन है और इसका संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है

संवाददाता

साहिबगंज : जिला पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज के सौजन्य से जल महोत्सव के अंतर्गत तेतरिया पहाड़ क्षेत्र में जल संरक्षण जल संचय जल श्रृंगार जल वंदना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों एवं जलसहिया दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में सहयोगी संस्था सोनू इंटरप्राइजेज का महत्वपूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम की शुरूआत जल वंदना के साथ हुई।जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने जल के महत्व को समझते हुए जल संरक्षण की शपथ ली। इस दौरान जल स्रोतों की साफ-सफाई कर जल श्रृंगार कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत कुआँ चापाकल एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास सफाई, रंगाई-पुताई एवं सजावट का कार्य किया गया ।ताकि जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखा जा सके। ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें सोख्ता गड्ढा निर्माण रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, जल स्रोतों की नियमित सफाई एवं जल बबार्दी रोकने के उपायों के बारे में जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान जल सहिया दीदियों ने घर-घर जाकर लोगों को जल बचाने, नल खुला न छोड़ने तथा जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। बच्चों द्वारा लगाए गए नारों से वातावरण पूरी तरह जल जागरूकता से ओत-प्रोत रहा।उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि जल ही जीवन है।और इसका संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यदि आज जल बचाया जाएगा ।तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित जल उपलब्ध हो सकेगा। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनिय अभियंता, जिला एवं प्रखंड समन्वयक, जलसहिया दीदी, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, साहिबगंज एवं सहयोगी संस्था सोनू इंटरप्राइजेज का सराहनीय योगदान रहा। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न हुई।

मतदाता सूची सुधार को लेकर उधवा में नंबरिंग का अभियान तेज

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड सभागार में सोमवार को मतदाता सूची को सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाने को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने की, जिसमें बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बीडीओ सह सीओ ने बताया कि चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मकानों की पहचान करेंगे और प्रत्येक घर को एक निर्धारित नंबर से चिह्नित करेंगे। इसके तहत मकानों पर स्टिकर चिपकाने का कार्य भी किया जाएगा, ताकि मतदाताओं की सही पहचान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि इस कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।प्रशिक्षक भरत मंडल ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए प्रत्येक मतदाता परिवार को एक यूनिक काल्पनिक नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे सूची का प्रबंधन आसान हो सके। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि जिन बीएलओ द्वारा अब तक सभी मतदाताओं की मैपिंग नहीं की गई है, वे शीघ्र ही इस कार्य को पूरा करें। मतदाताओं की सही मैपिंग से भविष्य में चुनावी प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी होगी। कार्यक्रम में निर्वाचन नोडल पदाधिकारी सूरज टुडू, कंप्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा, जनसेवक सिकंदर अली, बिसंभर दास, सुनील कुमार, उदय मंडल, प्रेमनंदन चौड़े सहित कई पंचायत सचिव और बीएलओ मौजूद रहे।

अध्यक्ष रामनाथ पासवान से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात

साहिबगंज : जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह और उपाध्यक्ष नवल किशोर मंडल ने साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष रामनाथ पासवान से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर उन्हें पुष्प गुच्छ और मिठाई देकर सम्मानित व अभिनंदन किया।इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष अनूप कुमार सिंह ने नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान के द्वारा वर्तमान में किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की व संगठन के उपाध्यक्ष नवल किशोर मंडल ने रामनाथ पासवान को उनके जीत कार्यों को लेकर अनेकों बधाई धन्यवाद दिया।

झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक मजदूरों की समस्या को लेकर लगातार आंदोलन करते आ रही है : रेखा

संवाददाता

साहिबगंज /राजमहल : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर अनुमंडल कार्यालय राजमहल के समक्ष जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष के नेतृत्व मे धरना दिया।धरना में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।धरना को संबोधित करते हुए राजकुमार यादव ने कहा कि झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक मजदूरों की समस्या को लेकर लगातार आंदोलन करते आ रही है।कहा कि झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक समय-समय पर मजदूरों की समस्या को जिला प्रशासन से लेकर राज्य सरकार तक अवगत कराने का काम किया है।धरना के बाद झारखंड मजदूर संघ का एक शिष्टमंडल साहिबगंज उपायुक्त के नाम अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल को मांग पत्र सौपा।धरना मे जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष,केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमार देवी, रवि घोष,गणेश ठाकुर,

मोहम्मद जावेद अख्तर,अंसार खान,इकरामुल अली सुष्मिता कुमारी, जमुना कुमार, दुर्योधन कुमार,सज्जाद अंसारी, फिरोज अंसारी,मोहम्मद जावेद अंसारी,अब्दुल क्युम,मिथुन राजवंशी, मिथुन कुमार यादव,जय देवी,रेखा देवी, निखिल यादव,अर्जुन चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे।

मुख्य मांगे

सभी कामगारों को न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित कराया जाए,सभी मजदूरों को नियुक्ति पत्र दिया जाए।

श्रमिकों से 12 घंटे नहीं 8 घंटे ही काम लिया जाय।

ओवरटाइम काम करने पर दोगुनी मजदूरी दिया जाए।

आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा युवकों का शोषण बंद किया जाए मौजूदा पिक एंड चूज मनमाने चयन व्यवस्था को समाप्त कराया जाए।मेसर्स राहुल मेंटल कंपनी बाकुडी द्वारा आवागमन में पत्थर धुलाई में उपयोग में लाते हैं वन विभाग की जमीन की वजह से कोचा टोला बड़ा वना पाड़ा सड़क का निर्माण नहीं होना गंभीर जांच का विषय है।मनरेगा योजना के तहत मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

8 राजमहल प्रखंड क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालय नागेश्वर बाग परिसर में बंद पड़े चापाकल पेयजल के लिए अभिलंब चालू करते हुए खेल का मैदान का निर्माण कराया जाए।नागेश्वर मौजा में नंबर 76 अंतर्गत 59 सरकारी तालाब के सीढ़ी घाट एवं गढ़वाल की निर्माण की समुचित कार्रवाई की जाए।

बोरियों प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत खेरवा पंचायत से स्टेट फुटबॉल मैदान के निकट विकास ठाकुर के घर के सामने से लेकर प्रभु मुर्मू के घर तक पीसीसी सड़क का निर्माण अविलंब हो।साहिबगंज जिले के अंतर्गत सभी प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना में भुगतान के अभाव में अधूरा पड़ा हुआ है को पूर्ण कराया जाए।प्रखंड उधवा क्षेत्र के पंचायत सूतियारपड़ा गांव में भूमिहीनों को जमीन बंदोबस्ती देकर लाभ और प्रखंड तालझरी के अंतर्गत मौजा नं 50 बाकुडी बाजार देने का कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय,राजमहल प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा पंचायत के वार्ड नंबर 13 सैयद बाजार में 3 माह से ट्रांसफार्मर जला हुआ है नया ट्रांसफार्मर लगाने की समुचित कार्रवाई किया जाए,रसोई गैस की कमी दूर किया जाए,प्रखंड तालझारी के अंतर्गत धार्मिक स्थल मंदिर के बाकुडी बाजार मे मानक के विपरीत चल रहे शराब दुकान को बंद किया जाए।

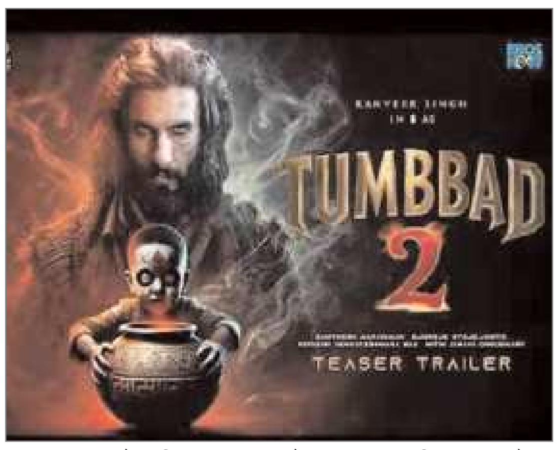

तुम्बाड 2 के लिए मुंबई में बन रहा विशाल सेट

फिल्म तुम्बाड 2 के लिए मुंबई में विशाल सेट बनाया जा रहा है। तुम्बाड के साथ सोहम शाह ने सिनेमा की दुनिया में एक मास्टरपीस बनाया है। जहां इस फिल्म ने एक कल्ट क्लासिक पहचान बनाई और इसे हिंदी की सबसे बेहतरीन हॉरर फिल्मों में गिना जाता है, वहीं 2024 में इसके दोबारा रिलीज होने पर इसने इतिहास रच दिया और यह दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज फिल्म बन गई। तभी से दर्शक तुम्बाड 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और सोहम शाह के इसके अनाउंसमेंट ने लोगों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। अब तुम्बाड 2 के प्रोडक्शन से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है कि इस बार मेकर्स इसे और भी बड़े और भव्य लेवल पर ले जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, फिल्म के पहले शेड्यूल के लिए मुंबई में एक विशाल और पूरी की पूरी सिटी (शहर) का सेट तैयार किया जा रहा है। फिल्म के लिए मुंबई में 7-8 एकड़ का एक विशाल सेट तैयार किया जा रहा है। यह एक पूरी की पूरी सिटी (शहर) होगी, जिसे फिल्म के पहले शेड्यूल के लिए बनाया जा रहा है। फिल्म की कहानी या इसके ट्रीटमेंट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, सिवाय इसके कि सोहम शाह अपने पुराने रोल में वापस नजर आएंगे। सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज के सहयोग से बनने वाली यह फिल्म इस साल के अंत तक फ्लोर पर जाएगी। तुम्बाड 2 को एक्टर-प्रोड्यूसर सोहम शाह लीड कर रहे हैं, जिसमें दिग्गज प्रोड्यूसर डॉ. जयंतीलाल गडा की कंपनी पेन स्टूडियोज भी शामिल है।

जल्द आ रही है वीरों की भव्य गाथा हस्तिनापुर के वीर

सोनी सब अपना मेगा शो हस्तिनापुर के वीर पेश करने जा रहा है। यह एक दमदार कहानी है साहस, अनुशासन और कालातीत मूल्यों की। इस महागाथा में दिखाया जाएगा कि कैसे धैर्य, भाईचारा और एक सशक्त मां का मार्गदर्शन उन योद्धाओं को गढ़ता है, जिन्होंने इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी। दर्शकों में उत्साह बढ़ाने के लिए सोनी सब ने एक दिलचस्प प्रोमो लांच किया है, जो इस सफर को खूबसूरती से दिखाता है।

यह प्रोमो पहले ही दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया पा रहा है। हस्तिनापुर की भव्य पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो एकता, धर्म और दृढ़ता की कहानी को जीवंत करता है। यह बताता है कि महानायक पैदा नहीं होते, उन्हें बनाया जाता है। दमदार कहानी और विजुअली इमर्सिव वर्ल्ड के साथ हस्तिनापुर के वीर दर्शकों को उस युग में ले जाएगा, जहां मूल्य और नियति एक-दूसरे से जुड़ते हैं। हस्तिनापुर के वीर जल्द ही सोनी सब पर प्रसारित होगा।

आरके स्टूडियो रिन्यूअल की खबरें गलत, करीना कपूर बोलीं, फिलहाल कोई योजना नहीं

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में चल रही खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि लीजेंडरी आरके स्टूडियो के फिर से शुरू होने का कोई प्लान अभी तक तय नहीं हुआ है। अभिनेत्री ने बताया कि यह चर्चा केवल अफवाह है और फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। करीना ने कहा कि उनके परिवार में कुछ समय पहले यह बात चर्चा में आई थी, लेकिन सभी ने इसे तुरंत यह मान लिया कि यह नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोग सच में आरके स्टूडियो को फिर से देखने की चाहत रखते हैं, लेकिन फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव फाइनल नहीं हुआ है।

करीना ने अपने बयान में यह भी कहा कि इस विरासत को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब नई पीढ़ी के हाथ में है। उन्होंने विशेष रूप से अपने कजिन और अभिनेता रणबीर कपूर और बहन करिश्मा कपूर का नाम लेते हुए सुझाव दिया कि शायद वे इस प्रतिष्ठित ब्रांड को आगे ले जाने के बारे में सोच सकते हैं।

भूत बंगला का तू ही दिस्दा टीजर रिलीज, अक्षय कुमार-वामिका गब्बी की रोमांटिक केमिस्ट्री ने जीता दिल

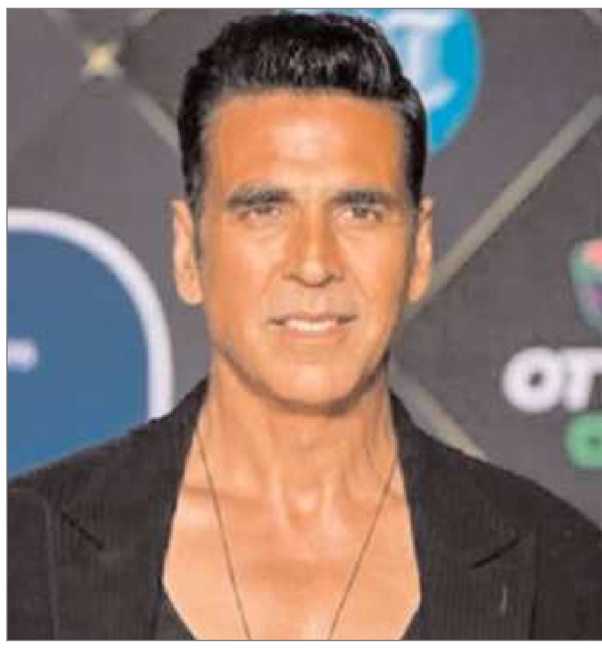

'भूत बंगला' 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है, जो अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बॉलीवुड की उस असली जोड़ी को 14 साल के लंबे समय के बाद वापस ला रही है। इस जोड़ी के फिर से साथ आने की खबर ने अभी से काफी हलचल पैदा कर दी है, खासकर उन कल्ट कॉमेडी फिल्मों को देखते हुए जो इन्होंने पहले साथ मिलकर दी हैं।

ये दोनों अपने खास स्टाइल के ह्यूमर, अफरा-तफरी और फुल-ऑन एंटरटेनमेंट के लिए जाने जाते हैं, और फैंस एक बार फिर बड़े पर्दे पर वही सब देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स के इस फिल्म से जुड़ने के बाद, इसे लेकर उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया है।

'भूत बंगला' का पहला गाना राम जी आके भला करेंगे इंटरनेट पर छा जाने और सुपरहिट होने के बाद, अब मेकर्स फिल्म का रोमांटिक पहलू दिखाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के नए गाने 'तू ही दिसदा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें वामिका गब्बी और अक्षय कुमार एक ड्रीमी और रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। यह गाना दिल जीतने वाले रोमांस और वामिका-अक्षय की शानदार केमिस्ट्री की एक झलक दिखाता है। गाने के विजुअल्स में झरनों, घने जंगलों और खूबसूरत पहाड़ों के नजारों को दिखाया गया है, जो एक ताजगी भरे और रोमांटिक अहसास का वादा करते हैं। इस गाने में चार चाँद लगाने के लिए अरिजीत सिंह और निखिता गांधी ने अपनी आवाज दी है, जो इसे और भी रूहानी बना रही है। अपनी सुकून देने वाली आवाज के साथ अरिजीत सिंह इस लव ट्रैक की भावनाओं और गहराई को एक अलग लेवल पर ले जाने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि रिलीज होते ही यह गाना चार्टबस्टर बनेगा और हर किसी की प्लेलिस्ट पर राज करेगा।

हाल ही में मेकर्स ने 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज किया और यह देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया। दर्शक क्लासिक कॉमिक वन-लाइनर्स, हॉरर का तड़का और अक्षय कुमार व प्रियदर्शन की इस बहुप्रतीक्षित जोड़ी को फिर से साथ देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। परेश रावल, असरानी और राजपाल यादव जैसे दिग्गज एक्टर्स की वापसी ने फिल्म के क्रेज को और बढ़ा दिया है, जो पुरानी यादों को ताजा करने के साथ-साथ जबरदस्त मनोरंजन का वादा करती है। बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की एक डिवीजन) और केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से पेश है 'भूत बंगला', जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

'धुरंधर 2' का वर्ल्डवाइड 'कलेक्शन ब्लास्ट', 5 दिन में 750 करोड़ का आंकड़ा पार, रणवीर सिंह ने रचा इतिहास

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सिर्फ एक ही नाम की गूंज है– 'धुरंधर 2'। जासूसी और एक्शन से भरपूर इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा के कमाई के सारे समीकरण बदल दिए हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि अगर कंटेंट दमदार हो तो दर्शक थिएटरों को स्टेडियम बना देते हैं।

5 दिनों का महा-कलेक्शनः फिल्म ने अपने पहले ही दिन 102 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक ओपनिंग लेकर सबको चौंका दिया था। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार मात्र 5 दिनों के अंदर फिल्म का नेट इंडिया कलेक्शन 500 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है।

भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी रणवीर सिंह का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन महज 5 दिनों में 750 से 800 करोड़ रुपये के बीच पहुंच गया है। ट्रेड पंडितों का मानना है कि यह फिल्म बहुत जल्द 1000 करोड़ क्लब में शामिल होकर अपनी पहली फिल्म (धुरंधर - 1300 करोड़) का रिकॉर्ड भी तोड़ सकती है।

फिल्म की कहानी और दमदार स्टार कास्टः फिल्म की सफलता की सबसे बड़ी वजह इसकी कसी हुई कहानी है। रणवीर सिंह एक भारतीय जासूस की भूमिका में हैं जो पाकिस्तान के खतरनाक मिशन के बीच भारत को अहम जानकारियां भेजते हैं।

रणवीर सिंहः करियर की सबसे बड़ी हिट और अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभिनय।

सपोर्टिंग कास्टः संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और राकेश बेदी ने अपने किरदारों से फिल्म में जान फूंक दी है।

आदित्य धरः उरी और धुरंधर के बाद आदित्य ने एक बार फिर साबित किया कि वे बड़े स्केल की एक्शन फिल्में बनाने के उस्ताद हैं।

एक्शन और थ्रिलरः जासूसी और देशभक्ति का ऐसा मेल जो दर्शकों को कुर्सी से बांधे रखता है।

रणवीर का नया अवतारः चॉकलेटी बॉय और खिलजी के बाद अब 'सुपर स्पाई' के रूप में रणवीर ने सबको प्रभावित किया है।

आईपीएल 2026ः आकाश दीप की जगह विदर्भ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे बनेंगे केकेआर टीम का हिस्सा

कोलकाताः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आकाश दीप के रिप्लेसमेंट के तौर पर विदर्भ के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को आईपीएल 2026 में अपने साथ जोड़ेगी। कोलकाता में इंट्रा स्क्वाड अभ्यास मैच के दौरान केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने इसकी घोषणा की। दुबे ने आईपीएल में अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है और सीनियर लेवल पर अब तक 11 मुकाबले खेलने वाले दुबे ने पिछले ढाई वर्षों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेली है। पिछली बार उन्होंने 2023 में एक टी20 मुकाबले में विदर्भ का प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि उन्होंने पिछले साल विदर्भ प्रो टी20 लीग में ऑरेंज टाइगर्स के लिए खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। 2022 में उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था, लेकिन चोट के चलते वह बाहर हो गए। वह मुंबई इंडियंस के लिए नेट गेंदबाज भी रह चुके हैं। 28 वर्षीय दुबे ने पहली बार 2019 में एसीसी इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के दौरान ध्यान आकर्षित किया था,

जहां वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

केकेआर पिछले एक सप्ताह से ट्रायल का आयोजन करा रही थी और आकाश दीप के अलावा हर्षित राणा का भी संभावित विकल्प तलाश रही थी। ट्रायल में हिस्सा लेने वाले अन्य गेंदबाजों में नवदीप सैनी, केएम आसिप, सिमरजीत सिंह, आकाश मधवाल और संदीप वारियर शामिल थे। मैसूर ने कहा, मुख्य कोच अभिषेक नायर ने संभावित विकल्प तलाशने के लिहाज से बहुत बढ़िया काम किया है ताकि कोच उन विकल्पों को देख सकें और हमारी ट्रेनिंग और अभ्यास मुकाबलों का हिस्सा बन सकें। निश्चित तौर पर विदर्भ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे ने सभी का अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया। कोच काफी उत्साहित थे और उन्होंने कहा, ह्ययह वो खिलाड़ी हैं जिन्हें हम आकाश दीप की जगह अपने दल में शामिल करना चाहेंगे।

शुरूआती मुकाबले मिस करने जा रहे मतिशा पतिराना को लेकर मैसूर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज हिस्सा ले पाएंगे। केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने हाल ही में कहा था कि पतिराना मध्य अप्रैल तक उपलब्ध हो जाएंगे, पतिराना को टी20 विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। मैसूर ने कहा, हम उनसे और बोर्ड (एसएलसी) से लगातार संपर्क में बने हुए हैं। हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते, इन चीजों में समय लगता है। उम्मीद है कि हमें ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

पीठ के निचले हिस्से की चोट से समय से न उबर पाने के चलते आकाश दीप शनिवार को आईपीएल 2026 से बाहर हो गए। वह इस समय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं और उन्हें पूरी तरह से उबरने में लगभग तीन महीने का समय लगेगा। राणा घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। दुबे जिस तेंज गेंदबाजी आक्रमण से जुड़ेंगे उसमें पतिराना के अलावा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और उमरान मलिक शामिल हैं। दल में कैमरन ग्रीन भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में शामिल हैं।

आईपीएल 2026ः ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को एंट्री, मैच के दिन अभ्यास नहीं कर पाएगी टीम

एजेंसी/ मुंबईः आईपीएल 2026 के लिए बीसीसीआई ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं। नए दिशा-निर्देशों के तहत मैच के दिन कोई भी टीम प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए मैच-डे पर फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। जर्सी नंबर बदलने से 24 घंटे पहले जानकारी देनी होगी और ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को ही एंट्री मिलेगी। आईपीएल की शुरूआत 28 मार्च से होगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टीमों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। यहां दोनों टीमों को प्रैक्टिस के लिए अलग-अलग विकेट मिलेंगे और कोई भी टीम विरोधी टीम के विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। मुंबई में यदि दोनों टीमें एक साथ अभ्यास करती हैं, तो उन्हें दो-दो विकेट दिए जाएंगे। ओपन नेट की अनुमति नहीं होगी, जिससे अभ्यास व्यवस्थित रहे।

अगर कोई टीम अपनी प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर देती है, तो दूसरी टीम उसके विकेट का उपयोग नहीं कर सकेगी। सबसे अहम नियम यह है कि मैच के दिन किसी भी प्रकार की प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। मैच के दिन मुख्य स्क्वायर पर किसी भी तरह का फिटनेस टेस्ट नहीं किया जाएगा। खिलाडियों को अभ्यास के लिए टीम बस से ही आना होगा। खिलाड़ियों के परिवार और दोस्त अलग वाहन से आएंगे और केवल हॉस्पिटैलिटी एरिया से ही प्रैक्टिस देख पाएंगे। ड्रेसिंग रूम और मैदान पर सिर्फ अधिकृत स्टाफ को ही प्रवेश की अनुमति होगी। टीमों को अपने खिलाड़ियों के जर्सी नंबर में किसी भी बदलाव की जानकारी कम से कम 24 घंटे पहले देनी होगी।

स्टाफ को रखना होगा एक्रेडिटेशन कार्डः मैच के दिन सभी अधिकृत स्टाफ के लिए एक्रेडिटेशन कार्ड साथ रखना अनिवार्य होगा, अन्यथा जुमार्ना लगाया जाएगा। खिलाड़ियों को एलईडी बोर्ड के पास बैठने या गेंद हिट करने से बचने की सलाह दी गई है। ब्रॉडकास्ट के नियमों के तहत शुरूआती ओवरों में ऑरेंज और पर्पल कैप पहनना जरूरी होगा। इसके अलावा, पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन के दौरान स्लीवलेस जर्सी या फ्लॉपी पहनने की अनुमति नहीं होगी। मैच के दिन केवल 12 सपोर्ट स्टाफ (जिसमें डॉक्टर भी शामिल है) को ही टीम के साथ रहने की अनुमति मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान, काशवी गौतम को भी मिला स्थान

नई दिल्लीः तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर काशवी गौतम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काशवी ने टेस्ट और वनडे दोनों सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन अब तक उनका टी20 डेब्यू नहीं हुआ है। चयनकर्ताओं ने उमा छेत्री को भी दल में ऋचा घोष के बैकअप के रूप में शामिल किया है। छेत्री ने 17 साल की जी कमालिनी की जगह ली है, जिन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 डेब्यू करने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह टी20 दल का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें कोई

भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

श्रीलंका के खिलाफ सभी पांच टी20 खेलने और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बेंच पर रहने वाली बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को भी बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो मैचो में 3 और 1 का स्कोर बनाने तथा तीन ओवर में 30 रन देने वाली ऑलराउंडर अमनजोत कौर को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया है। अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ के साथ गौतम तेज गेंदबाजी की चौथी विकल्प होंगी। दीप्ति शर्मा, श्री चरणी और श्रेयंका पाटिल स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगी। दक्षिण अफ्रीका का ये दौरा डरबन में शुरू होगा जहां 17 और 19 अप्रैल को पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में अगले दो मैच तथा 27 अप्रैल को बेनोनी में दौरे का आखिरी मैच खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

मिडिल ईस्ट युद्ध का असर लंबा चल सकता है, हमें कोरोना संकट की तरह तैयार रहना होगा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया के स्थिति को चिंताजनक बताया है। उन्होंने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और उससे भारत के सामने आई परिस्थितियों पर बोलते हुए कहा कि सरकार संवेदनशील, सतर्क और हर सहायता के लिए तत्पर है। पीएम मोदी ने लोकसभा में बताया कि ईरान-इजरायल जंग का असर लंबा चल सकता है। हमें कोरोना संकट की तरह तैयार रहना होगा। हालांकि, हम भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वैकल्पिक उपाय भी तलाश रहे हैं।

पश्चिमी एशिया के हालात चिंताजनक है। पिछले दो तीन हफ्तों में एस जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी ने इस विषय पर सदन को जरूरी जानकारी दी है। अभी इस संकट को तीन सप्ताह से ज्यादा हो रहा है। इससे देशों की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन पर विपरीत असर हो रहा है। इसलिए दुनिया संकट के जल्द से जल्द समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह कर रही है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के सामने भी युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियों खड़ी की हैं। ये चुनौतियों आर्थिक भी हैं, नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ी भी हैं और मानवीय भी हैं। युद्धरत और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक और व्यापारिक रिश्ते हैं। जिस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है, वह दुनिया के दूसरे देशों के साथ हमारे व्यापार का भी महत्वपूर्ण रास्ता है। विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की जरूरतों का बड़ा हिस्सा यही क्षेत्र पूरा करता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए ये क्षेत्र एक और कारण से भी अहम है। लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं और वहां काम करते हैं। वहां समंदर में जो कमर्शियल शिप चलते हैं, उनमें भारतीय क्रू मैंबर की संख्या भी बहुत अधिक है। ऐसे अलग-अलग कारणों के चलते भारत की चिंताएं स्वभाविक रूप से अधिक हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज दुनिया में जाए।पीएम मोदी ने कहा कि जब से युद्ध शुरू हुआ है, जब से हर भारतीय को जरूरी मदद दी जा रही है। मैंने खुद पश्चिम एशिया के देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो राउंड फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। दुर्भाग्य से कुछ लोगों की दुखद मृत्यु हुई है और कुछ घायल हुए हैं। ऐसे मुश्किल हालात में प्रभावित परिवारों को आवश्यक मदद दी जा रही है। जो घायल हैं, उनका बेहतर इलाज सुनिश्चित कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रभावित देशों में हमारे जितने भी मिशन हैं, वे लगातार भारतीयों की मदद में जुटे हैं। वहां काम करने वाले भारतीय हों या टूरिस्ट हों, सभी को हर संभव मदद दी जा रही है। हमारे मिशन नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। यहां भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24 घंटों कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन जारी की गई हैं। सभी भारतीयों को त्वरित जानकारी दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.72 लाख से अधिक भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। खाड़ी के देशों में भारतीय स्कूलों में हजारों विद्यार्थी पढ़ते हैं। सीबीएसई ने ऐसे सभी भारतीय स्कूलों में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई लगातार चलती रहे, इसके लिए सीबीएसई उचित कदम उठा रही है।

एक फैसले का असर, हाई स्पीड से चढ़ा शेयर बाजार, सोना-चांदी के दाम भी फिसले

एजेंसी/मुंबई: ईरान के साथ पांच दिन युद्ध टालने के ऐलान के बीच सोना और चांदी की कीमतों में फिर गिरावट देखी गई, जबकि शेयर बाजार में तेजी लौट आई और सेंसेक्स डेढ़ हजार अंक से ज्यादा की बढ़त में खुला। मंगलवार को सोना जहां 2500 रुपए सस्ता हुआ, वहीं चांदी 11 हजार 605 रुपए सस्ती हो गई। उधर, विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स डेढ़ हजार अंक से ज्यादा की बढ़त में खुला। सेंसेक्स की शुरूआत पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 1,516.08 अंक ऊपर 74,212.47 अंक पर हुई। खबर लिखे जाते समय यह 830.14 अंक (1.4 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 73,526.53 अंक पर था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 365.80 चढकर 22,878.45 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 269.90 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,782.55 अंक पर रहा। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर पांच दिन के लिए हमले टालने की घोषणा से अमरीकी और यूरोपीय बाजार कल हरे निशान में बंद हुए। भारतीय शेयर बाजारों पर इसका असर आज देखा गया है। घरेलू शेयर बाजारों में लिवाली चौतरफा रही। ऑटो, बैंकिंग, वित्त, धातु, रियलटी, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक ज्यादा बढ़त में रहे। सेंसेक्स की बढ़त में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इटरनल और महिंद्रा एंड महिंद्रा का योगदान अधिक रहा।

आदिवासियों को वनवासी कहना गलत, राहुल गांधी का आरोप, बीजेपी ने विकास के नाम पर छीनी जमीनें

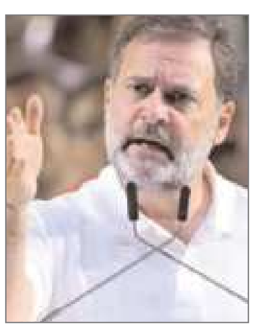

नई दिल्ली: गुजरात के वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई आरोप लगाए और बताया कि मोदी आदिवासियों के हितों की परवाह नहीं करते। राहुल गांधी ने ह्यआदिवासीह्ण शब्द का गहरा अर्थ समझाते हुए कहा कि अगर कोई 5000 साल पहले यहां आता, तो सारी जमीन आदिवासियों के नाम होती। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे आदिवासियों को हटाया गया और अब 21वीं सदी में उनके लिए नया शब्द सामने आया है। राहुल गांधी ने कहा आरएसएस और बीजेपी का शब्द है वनवासी।

मतलब आप ओरिजिनल मालिक नहीं. ये देश आपका था, पर ओरिजिनल मालिक कोई और था। अगर आप आदिवासी हो तो इस देश का आप पर कर्ज है। आपकी जमीन, जंगल आपसे छीना गया, लेकिन वनवासी मतलब आप कुछ नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी बिरसा मुंडा, अंबेडकर, गांधीजी मूर्ति के आगे हाथ जोड़ते हैं, लेकिन उन्होंने जो कहा, उसकी रक्षा नहीं करते। जब वनवासी कहकर जमीन छीनकर अडानी को देते हैं।

महिलाओं को 2029 से रिजर्वेशन, लोकसभा में बढ़ेंगी सीटें, संशोधन बिल लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली: लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने के लिए सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई थी। यह बिल पारित हो जाने के बावजूद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू नहीं हो सका है। अब सरकार जल्द से जल्द महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने, यह कानून लागू करने की तैयारी में है। महिलाओं को आरक्षण देने के लिए सरकार अब संसद में संशोधन विधेयक लाएगी। इस बिल में लोकसभा सीटों के परिसीमन और सीटें बढ़ाने के लिए 2011 की जनगणना को ही आधार मानने का प्रावधान किया जाएगा। यह संशोधन विधेयक पारित होने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा की सीटें 543 से बढकर 816 हो जाएंगी।

816 सदस्यों वाली लोकसभा में 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगी। गौरतलब है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जो संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था, उसमें यह प्रावधान था कि यह नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा। अब सूत्रों का कहना है कि सरकार इस हफ्ते नारी शक्ति अभिनंदन अधिनियम बिल में संशोधन लेकर आएगी। यह संशोधन इसलिए लाया जा रहा है, जिससे 2029 के लोकसभा चुनाव तक महिला आरक्षण लागू किया जा सके।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार भेज रहा था संवेदनशील वीडियो-फोटो

एजेंसी/ फरीदाबाद: गाजियाबाद पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे गिरोह के एक मेंबर नौशाद अली उर्फ लालू को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। नौशाद न केवल गिरोह का भाग था, बल्कि साल भर पहले नचौली गांव में खुले एक पेट्रोल पंप पर पंक्चर मरम्मत की दुकान भी चला रहा था। अब तक इस गिरोह के सरगना सुहेल (मेरठ) सहित कुल 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने नौशाद के अलावा मथुरा जिला सदर थाने के मीरा निवासी एक और व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है। इसमें एक आरोपी अभी नाबालिग भी है।

प्रारंभिक पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि उन्हें गिरोह में सुहेल ने शामिल किया था। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि इस गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशन और सुरक्षा बलों के ठिकानों के फोटो-वीडियो व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे संदिग्धों को भेजते थे और फोटो भेजने पर उन्हें 4,000 से 6,000 तक रुपए मिलते थे।

असम से बिहार तक फैला है नशे का जाल

साबूदाने की आड़ में लाई जा रही 6 लाख की हेरोइन जब्त 2 गिरफ्तार

पटना: बिहार के समस्तीपुर जिले में पुलिस और नारकोटिक्स सेल के एक संयुक्त अभियान ने एक नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिसके परिणामस्वरूप दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और लगभग 6 लाख रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 21 मार्च, 2026 की सुबह एक विशेष खुफिया जानकारी मिली थी कि एक नशीले पदार्थों के गिरोह के सदस्य हेरोइन की एक खेप लेकर शाहपुर पटोरी रेलवे स्टेशन पर पहुंचेंगे। तेजी से कार्रवाई करते हुए, स्थानीय पुलिस अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारी को मिलाकर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने एक जाल बिछाया और स्टेशन के पास के इलाके की घेराबंदी कर दी।

4 डिब्बों में छिपाकर रखी थी हेरोइन: अभियान के दौरान, दो व्यक्तियों (एक पुरुष और एक महिला) को स्टेशन के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए पकड़ा गया। आरोपियों की पहचान वैशाली निवासी राहुल कुमार (26) और असम निवासी शांति देवी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान, पुलिस ने हेरोइन जिसे स्थानीय रूप से 'कोटा' कहा जाता है बरामद की, जिसे साबूदाना के चार डिब्बों के अंदर छिपाकर रखा गया था। इसके अलावा, उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन, नकदी, रेलवे टिकट और पहचान पत्र भी जब्त किए गए।

बड़े अंतर-राज्यीय नेटवर्क की संलिप्तता का संदेह: शुरूआती पूछताछ में पता चला कि आरोपी पूर्वोत्तर राज्यों से बिहार में नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थे। पुलिस को एक बड़े अंतर-राज्यीय नेटवर्क की संलिप्तता का संदेह है और वह गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने तथा उनके आपराधिक संपर्कों का पता लगाने पर काम कर रही है। पटोरी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया गया है, और आगे की जांच जारी है।

पश्चिम एशिया तनाव की आंच अमेजन तक पहुंची बहरीन में असर, कंपनी बोली- ड्रोन से चिंता

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी दिखने लगा है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कहा है कि उसके अमेजन वेब सर्विसेज (अहर) का बहरीन रीजन मौजूदा हालात के बीच बाधित हो गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह व्यवधान इलाके में ड्रोन गतिविधियों के कारण हुआ है। यह जानकारी रॉयटर्स की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में दी गई।

कंपनी ने क्या बताया? : हालांकि, कंपनी ने नुकसान की सीमा या सेवाएं पूरी तरह बहाल होने में लगने वाले समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे यूजर्स को अन्य लोकेशंस में शिफ्ट होते रहने की सलाह दी गई है।

एडब्ल्यूएस, अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट है, जो कई बड़ी वेबसाइट्स और सरकारी सेवाओं के संचालन के लिए बेहद अहम है। कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा भी इसी से आता है।

दूसरी बार हुआ एडब्ल्यूएस रीजन पर हमला : गौरतलब है कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष की शुरूआत के बाद यह दूसरी बार है जब बहरीन स्थित एडब्ल्यूएस रीजन ड्रोन हमले से प्रभावित हुआ है। इससे पहले इसी महीने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में एडब्ल्यूएस की सुविधाएं पावर आउटेज के कारण प्रभावित हुई थीं, जिन्हें बहाल करने की प्रक्रिया जारी थी। इन हमलों के दौरान आग लगने और इमरजेंसी सप्रेशन सिस्टम सक्रिय होने से पानी से भी नुकसान हुआ, जिसके चलते सेवाएं अस्थिर हुईं और कई जगह अस्थायी आउटेज देखने को मिला था। अमेजन ने उस समय चेतावनी दी थी कि भौतिक नुकसान के कारण सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने में समय लग सकता है।

पहाड़ों में दौड़ी विकास की रेल

बैराबी-सैरांग रेल लाइन से मिजोरम पहली बार रेल मानचित्र पर

⏮ 51.38 किमी रेल लाइन से मिजोरम दिल्ली से जुड़ा, चल रही साप्ताहिक राजधानी एक्सप्रेस ⏮ रेल कनेक्टिविटी से मिजोरम को आर्थिक और सामाजिक बढ़त

,6,बॉटम

आईजोल : समय-सुबह 11 बजे। स्थान-सैरांग रेलवे स्टेशन, मिजोरम। पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए मीडिया प्रतिनिधियों का दल, पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के पहले दिन सैरांग रेलवे स्टेशन पहुँचा। पीआईबी जालंधर के मीडिया एवं संचार अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा उत्तर?पूर्व भारत के विकास की बदलती तस्वीर को करीब से देखने का अवसर बनी।

बैराबी सैरांग रेल लाइन मिजोरम के लिए केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि विकास, संपर्क और आत्मनिर्भरता की नई राह है। पूर्वोत्तर भारत के लिए यह ऐतिहासिक क्षण तब साकार हुआ, जब पहाड़ी राज्य मिजोरम को देश के रेल मानचित्र से सीधे जोड़ने वाली बैराबी-सैरांग रेल लाइन जो 51.38 किमी है, पूरी हुई जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 सितंबर 2025 को देश को समर्पित किया था। यह केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही उस उम्मीद का प्रतीक है, जो मिजोरम के लोगों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने का सपना दिखाती रही है।

अब तक मिजोरम देश का एकमात्र ऐसा राज्य था, जिसकी राजधानी तक रेल सेवा नहीं पहुँच पाई थी। सड़क मार्गों और हवाई सेवाओं पर निर्भर इस राज्य के लिए रेल कनेक्टिविटी एक बड़ी आवश्यकता थी। बैराबी-सैरांग रेल लाइन के पूरा होने से यह कमी भी दूर हो गई। यह परियोजना मिजोरम के कोलासिब और आइजोल जिलों के बीच से होकर गुजरती है और दुर्गम पहाड़ी इलाकों, गहरी घाटियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच से विकसित की गई है।

इस रेल लाइन के निर्माण में आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग किया गया है। कई सुरंगों और ऊँचे पुलों के माध्यम से तैयार यह रास्ता न सिर्फ. तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण रहा, बल्कि यह भारतीय रेलवे की क्षमता और संकल्प को भी दशार्ता है। कठिन मौसम, भूस्खलन की आशंका और दुर्गमता के बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाया गया, जो इसे और भी विशेष बनाता है।

स्थानीय लोगों के लिए यह रेल लाइन जीवन में बदलाव लेकर आई है। अब राज्य के किसानों, व्यापारियों, छात्रों और मरीजों के लिए आवागमन आसान हुआ है। कृषि और बागवानी उत्पादों को देश के अन्य हिस्सों तक पहुँचाना सरल हुआ, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। पर्यटन क्षेत्र के लिए भी यह परियोजना ने नए अवसर खोले है, क्योंकि अब देशभर से पर्यटक आसानी से मिजोरम पहुँच सकते है। सामाजिक स्तर पर भी इस रेल लाइन का प्रभाव गहरा हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुँच आसान होने से क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में मदद मिली है। पूर्वोत्तर राज्यों को लंबे समय से जिस कनेक्टिविटी की कमी का सामना करना पड़ रहा था, यह परियोजना उस दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है। बैराबी-सैरांग रेल लाइन न केवल मिजोरम के लिए, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विकास का नया द्वार खोलती है। यह परियोजना बताती है कि भौगोलिक चुनौतियाँ विकास की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि संकल्प मजबूत हो। पहाड़ों के बीच दौड़ती यह रेल अब मिजोरम के सपनों, संभावनाओं और प्रगति की नई पटरी बन चुकी है।

न्यूज IN ब्रीफ

20 अप्रैल तक कक्षा 11 वीं में नामांकन के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन भरा जाएगा

दुमका : उत्कृष्ट विद्यालय डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका)में कक्षा 11वीं के आट्र्स, साइंस एवं कॉमर्स संकाय में 20 अप्रैल 2026 तक आवेदन पत्र भरा जा सकता है। डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने बताया कि नामांकन के लिए इच्छुक छात्र एश्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र 20 अप्रैल 2026 तक भर सकते हैं। श्री राजहंस ने बताया कि प्रवेश परीक्षा 26 अप्रैल 2026 को 10:00 बजे से 01:00 बजे अपराहन तक विद्यालय में ही आयोजित की जाएगी, जिसके लिए प्रवेश परीक्षा प्रवेश पत्र 23 अप्रैल को जारी किया जाएगा।कहा कि मेधासुची 30 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी। चयनित छात्रों का मेधासुची के आधार प्रोविजनल नामांकन लिया जाएगा। बोर्ड परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों का नामांकन रद्द कर दिया जाएगा।श्री राजहंस ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,दुमका सीबीएसई से मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम का एक उत्कृष्ट विद्यालय है। यहाँ विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षण के नई पद्धति एवं स्मार्ट क्लास के माध्यम से अध्यापन कार्य किया जाता है। यहाँ सभी प्रयोगशाला पूरी तरह सुसज्जित हैं।यहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उत्कृष्ट शिक्षा के लिए सभी साधन उपलब्ध है। बोर्ड परीक्षा का परीक्षाफल हमेशा उत्कृष्ट रहता है। यहाँ के छात्र उत्कृष्ट शिक्षाग्रहण के साथ साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं । पूरा विद्यालय परिसर एवं वर्ग कक्ष सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है।

डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

दुमका : जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया.जिसमें राज्य के ईवीएम नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन करते हुए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, प्रवेश-निकास नियंत्रण व्यवस्था, गोदाम की सीलिंग तथा अभिलेखों के संधारण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

इस क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि ईवीएम एवं वीवीपैट की सुरक्षा और अखंडता सर्वोच्च प्राथमिकता है, अतः सभी निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल, भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित निगरानी, सतत निरीक्षण एवं अभिलेखों के अद्यतन संधारण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही की संभावना समाप्त हो सके।

इस दौरान राज्य के ईवीएम नोडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

चक्रधरपुर नप उपाध्यक्ष के आवास पर वरीय पत्रकार बिनय मिश्रा खरना का प्रसाद ग्रहण किया

चक्रधरपुर : चैती छठ महापर्व के अवसर पर झारखंड के वरीय पत्रकार विनय मिश्रा नगर परिषद् उपाध्यक्ष विजय कुमार साव के आवास पहुंचे और भगवान भुवन भास्कर का आशीर्वाद लिया और खरना का प्रसाद ग्रहण किया। नगर परिषद् उपाध्यक्ष श्री साव की माता ने चैती छठ महापर्व किया है। खरना महा प्रसाद ग्रहण करने के लिए शहर के नामचीन हस्ती, गणमान्य लोगों के साथ साथ काफी संख्या में अन्य लोगों ने भी उपस्थित होकर खरना का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेश कुमार साव, रूपेश साव,नगर परिषद् के उपाध्यक्ष विजय कुमार साव, सागर साव, प्रतीक साव, संदीप साव भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आयुष्मान कार्ड से इलाज में देरी पर प्रवीण सिंह ने लिया संज्ञान

बालूमाथः प्रखंड क्षेत्र के चिरू ग्राम निवासी सड़क दुर्घटना में घायल मरीज के रांची के एक निजी अस्पताल में उपचार के क्रम में आयुष्मान कार्ड के उपयोग में हो रही देरी के संबंध में प्राप्त सूचना पर कोमर ग्राम निवासी झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी प्रवीण सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया।

इस क्रम में श्री सिंह ने संबंधित अस्पताल प्रबंधन से दूरभाष पर वार्ता कर मामले की विस्तृत जानकारी ली तथा मरीज के परिजनों से भी सीधे बातचीत कर उनकी स्थिति एवं समस्याओं को समझा। अस्पताल प्रबंधन से प्राप्त जानकारी एवं परिजनों से बातचीत के उपरांत यह सुनिश्चित किया गया कि मरीज की स्थिति अब सामान्य है और उपचार जारी है। श्री सिंह ने अस्पताल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में मरीज के परिजनों को परेशान न किया जाए तथा आयुष्मान योजना के तहत होने वाले उपचार के लिए अनावश्यक राशि की मांग या वसूली न की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री सिंह ने परिजनों को आश्वस्त किया कि जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और मरीज के उपचार में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी।

विद्यार्थी केवल अकादमिक सफलता तक सीमित न रहें, एक जिम्मेदार नागरिक बनना ही शिक्षा का असली उद्देश्य : उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने सोमवार को आर. मित्रा परिसर में आयोजित जिला स्तरीय पीङ्कएमङ्क श्री ऋछ्ठ मेला सह ळछट प्रदर्शनी, 2026 में शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर उपायुक्त व उपस्थित अतिथियों ने सयुंक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों में रचनात्मकता, तार्किक सोच, आत्मविश्वास और कम्युनिकेशन स्किल को मजबूत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे केवल अकादमिक सफलता तक सीमित न रहें, बल्कि आदर्श विद्यार्थी बनकर जीवन में एक अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनने का लक्ष्य तय करें। आगे उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाना है। जब विद्यार्थी अपने कर्तव्यों को समझते हुए आगे बढ़ते हैं, तभी वे देश और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बन पाते हैं। उन्होंने बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और सृजन क्षमता के विकास पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए यही गुण सबसे अधिक सहायक होंगे। साथ ही उन्होंने आदर्श छात्र बनने के तीन गुण को अपने जीवन में चरितार्थ करने के उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास, कम्युनिकेशन स्किल, एक्स्ट्रा एक्टिविटी (पेंटिंग, स्पोर्ट्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, डिबेट) पर विशेष रूप से ध्यान देने की बात कही। साथ ही बच्चों के एक्स्ट्रा एक्टिविटी की प्रोफाइलिंग जरूर करें। इससे बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने में मदद मिलेगी।

रचनात्मकता और कौशल विकास पर जोर

कार्यक्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि उनकी 'कम्युनिकेशन स्किल' और सोचने की शक्ति भी मजबूत होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे केवल किताबी ज्ञान और परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि जीवन में एक आदर्श विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक बनने का लक्ष्य निर्धारित करें। संबोधन के दौरान उन्होंने शिक्षा के गहरे अर्थ को समझाते हुए कहा, ₹शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाना है। जब विद्यार्थी अपने कर्तव्यों को समझते हुए आगे बढ़ते हैं, तभी वे देश और समाज के लिए सही मायने में उपयोगी साबित होते हैं।₹ उन्होंने विशेष रूप से बच्चों में वैज्ञानिक सोच नवाचार और सृजन क्षमता के विकास पर बल दिया, जिसे उन्होंने भविष्य की चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी हथियार बताया।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने बच्चों की रचनात्मकता और तार्किक क्षमता को निखारने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव साझा दिए। आगे उपायुक्त व अनुमंडल पदाधिकारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न प्रखंडो के बच्चों व शिक्षकों को पुरिस्कृत किया। इस दौरान उपरोक्त के अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

शहादत दिवस पर याद किए गए भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव

संवाददाता

दुमका : सोमवार को सिविल सोसायटी,पटेल सेवा संघ, शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच और मेरा युवा भारत केन्द्र,दुमका के संयुक्त तत्वावधान में शहीदे आजम भगतसिंह,राजगुरु और सुखदेव जी के 95 वें शहादत दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में सिविल सोसायटी के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिन्हा ने भगत सिंह ,राजगुरु और सुखदेव जी की शहादत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की पीढ़ी के साथ साथ आने वाली पीढ़ियों को भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना सबकुछ कुर्बान करने वाले के इतिहास को बताने की जरूरत है कि आजादी अक्षूण्ण बनी रहे।

सिविल सोसायटी के उपाध्यक्ष प्रेम केशरी ने ऐसी शहादतों को घर-घर में बताने और समझाने की जरूरत है कि आजादी बलिदान मांगती है।

पटेल सेवा संघ दुमका के अध्यक्ष अशोक कुमार राउत ने इसे सदैव स्मरणीय बनाए रखने की बात की।

सचिव संदीप कुमार जय बमबम ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम में जनमत शोध संस्थान के सचिव और मेरा युवा भारत केन्द्र दुमका के प्रतिनिधि अशोक सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे जिन्होंने ऐसे शहादतों को स्मरण दिवस के रूप में मनाए जाने और बच्चों के बीच इसे लोकप्रिय बनाने की अपील की।

इसके साथ-साथ विजय कुमार सोनी,डॉ मनोज कुमार घोष,रामाकांत साह, लक्ष्मीनारायण साह, विजय कुमार सिंह,सहिन्दर राम,जयंत सिन्हा, आशुतोष सिन्हा,रोहित यादव के अलावे कई गणमान्यजनों के साथ दर्जनों कराटे खिलाड़ी अपने प्रशिक्षक जयराम शर्मा के आदि उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। धन्यवाद ज्ञापन सिविल सोसायटी के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने की।

जनगणना देश के समग्र एवं संतुलित विकास की आधारशिला है : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से सोमवार को जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना 2027 केवल एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के समग्र एवं संतुलित विकास की आधारशिला है। जनगणना के माध्यम से प्राप्त सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े ही सरकार को जनहितकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा नीति-निर्धारण में प्रभावी निर्णय लेने में सहायक होते हैं।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रशिक्षणार्थियों को निदेश दिया गया कि वे इस प्रशिक्षण को अत्यंत गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ ग्रहण करें। प्रत्येक बिंदु को ध्यानपूर्वक समझते हुए जनगणना कार्य को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ संपन्न करें, ताकि जिले की सही एवं सटीक जानकारी देश के समक्ष प्रस्तुत की जा सके। कहा कि जनगणना कार्य की सफलता काफी हद तक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रशिक्षित कर्मियों की दक्षता पर निर्भर करती है। अतः सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग करें और अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करें।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित, सटीक एवं सफल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर अपर समहार्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी समेत जिला के अन्य पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी सहायक चार्ज पदाधिकारी, सभी तकनीकी सहायक (कंप्यूटर ओपरेटर) उपस्थित रहे।

विधायक सुखराम उरांव व नप अध्यक्ष सन्नी उरांव खरना का प्रसाद ग्रहण किया

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय कुमार साव के आवास पर उनकी माता के द्वारा महापर्व छठ किए जाने के उपरांत खरना प्रसाद ग्रहण करने चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव एवं उनके पुत्र नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव श्री साव के आवास पहुंचे और उन्होंने भगवान भुवन भास्कर के आशीर्वाद लेने के पश्चात खरना का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेश कुमार साव, वार्ड पार्षद संजय पासवान ,सागर साव प्रतीक साव , परमिंदर चौहान के अलावा मुख्य रूप से चक्रधरपुर नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय कुमार साव उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

जमशेदपुर : सामुदायिक स्वास्थ्य एवं जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने अपने ह्लपॉजिटिव हेल्थह्व पहल के अंतर्गत एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया। इसमें 100 से अधिक लोगों ने रक्तचाप (बीपी), ब्लड शुगर, लंबाई एवं वजन की जांच करवाकर शिविर का लाभ उठाया। यह इस रोटरी वर्ष में क्लब द्वारा आयोजित चौथा स्वास्थ्य शिविर था, जो समाज सेवा के प्रति क्लब की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस अवसर पर डॉ. अनुप गुप्ता, डॉली गुप्ता, कैलाश सिंघानिया, प्रीतपाल सिंह, प्रेमा गुप्ता, डॉ. एस. एस. रज्जी, पी. एम. दत्ता, डॉ. जानकी, संतोषी, रवि, प्रांतिक, पी. एम. दत्ता एवं पुनीत काउंटिया आदि उपस्थित थे।शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के साथ ही लाभार्थियों को उनके स्वास्थ्य मानकों को नियंत्रित एवं बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक परामर्श भी दिया। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से उन लोगों को जागरूक करना है जो अपने स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण आंकड़ों से अनभिज्ञ हैं, ताकि वे समय रहते आवश्यक सुधारात्मक कदम उठा सकें।

कोल्हान रक्षा संघ ने सारंडा के बिहड़ में पहुंचकर विकास की खोल दी कलाई

इलाका पांचवीं अनुसूची में पर राजस्व गांव को नहीं मिलता यहां वन पट्टा

संवाददाता

चक्रधपुर : कोल्हान रक्षा संघ ने पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा के बिहड़ जंगल स्थित नोवामुड़ी प्रखंड के पोखरिया गांव में आदिवासियों के मूलभूत समस्याओं को लेकर एक बैठक को आयोजन किया. जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डिबार जोंकों ने की. जहां हजारों की तादाद में लोग अपने मुंडा, माणकी, सेक्रेटरी के साथ पहुंचे थे. और यहां समस्याओं का अंबार लगा दी.अधिकारी अपने एसी कमरे में बैठकर क्या कुछ करते हैं उसका हकीकत आज पोखरिया में लोगों ने सबके समक्ष रखा. बैठक में पहुंचे हजारों की संख्या में लोगों ने कहा इस क्षेत्र में सरकारी कर्मचारी या अधिकारियों का नहीं पहुंचना और नजर अंदाज करना मूल समस्या है. साथ ही लोगों के राजस्व गांव होते हुए वन पट्टा आज तक नहीं दिये जाने की मुद्दे को प्रमुखता से उभारा तथा रोष प्रकट किया. अगर इलाका आज भी पांचवी अनुसूची में दर्ज है तो लोगों का बन पट्टा नहीं मिलना उन्हें उनकी मूल भूत आवश्यकता से वंचित करता है. जहां संविधान की धज्जियां उड़ रही है.यहां हजारों की संख्या में पुरूष, महिलाएं एवं बच्चों ने पोषाहार केंद्र में पोषाहार का नहीं मिलने की जानकारी दी. जो उनके बदन पर साफ परिलक्षित हो रहा था-कुपोषण .देश के लिए पश्चिमी सिंहभूम जिला आदिवासी समाज के लिए बहुत कुछ कहता है. जो जंगल के बिहड़ में रह कर मुख्य धारा में शामिल होने हेतु शदियों से संघर्ष करते आ रहे हैं और उन्हें अपने अधिकारों से वंचित रखा जाता है.

इसके साथ आज का मैया सम्मान योजना आदि में भयंकर खामियां यही देखी गयी. यहां उपस्थित 300 करीब महिलाओं मे से केवल एक महिला ही ऐसी सौभाग्य वाली मिली जिसे मैया सम्मान योजना का लाभ मिला था. सच तो यह है कि इसी सारंडा से एक जनप्रतिनिधि की गूंज सात साल पहले लोकसभा में कुपोषणग्रस्त आदिवासी समाज को लेकर जब हुई थी तब देश व युनिसेफ भी उसे सुन स्तब्ध रह

गया था. परन्तु इस दिशा में कितना काम हुआ और लोगों को लाभ मिला आज का यह बैठक बहुत कुछ कहता है. जिसे देखने व समझने की दरकार है कोल्हान रक्षा संघ की आंख व दिमाग से.जब औसत आयु के बारे में जानकारी ली गई तब वहां पहुंचे हजारों की तादाद में से केवल 48 वर्ष के महज 12 ही लोग जीवन के अंतिम पायदान पर थे. जिसका मुख्य कारण कुपोषण ही रहा है. उनके ऊपर के आयु वर्ग को लोग थे ही नहीं. लोगों ने वृद्धावस्था पेंशन योजना के विषय में जो जानकारी दी वह और गंभीर बताया गया. लोगों ने कहा वृद्धावस्था पेंशन कई महिनों से बंद प्रायः है.जहां रोजी रोजगार के संबंध में पत्ता, दातुन, थोड़ी सी लकड़ी बेचकर जीवन निर्वाह मूल आधार बताया.उसमें भी जब कभी वन विभाग का नजर पड़ जाता है तब स्थिति जेल जाने की नौवत आ जाती. यह समस्या के सी हेम्बरम के समय से आज तक यथावत है. जहां तक पढ़ाई की बात है पोखरिया गांव में एक विद्यालय है यहां एक पारा टीचर से स्कूल चलता है.यह स्थिति हास्यास्पद स्थिति का बयां करता है शिक्षा को लेकर.इस बैठक में अध्यक्ष डिबार जंको ने कहा कि आज सारंडा के पोखरिया की यह धरती गवाह है कि आजादी के दशकों बाद भी हमारा आदिवासी समाज मुख्यधारा से कोसों दूर है. अधिकारी बंद एसी कमरों में बैठकर विकास के आंकड़े बुनते हैं, लेकिन यहां की हकीकत कुपोषण और सरकारी बेरुखी की तस्वीर पेश कर रही है.यह क्षेत्र पांचवीं अनुसूची में दर्ज है, जो हमें विशेष अधिकार देता है, फिर भी हमारे राजस्व गांवों को वन पट्टा से वंचित रखना सीधे तौर पर संविधान की धज्जियां उड़ाना है.यह शर्मनाक है कि हजारों की इस भीड़ में 50 साल से ऊपर के बुजुर्ग उंगलियों पर गिने जा सकते हैं. कुपोषण ने हमारे समाज की औसत आयु को लील लिया है. क्या प्रशासन को हमारे बच्चों की सूखी पसलियां नजर नहीं आतीं?उन्होंने कहा हमारे लोग दातुन और पत्ता बेचकर पेट पालते हैं, लेकिन वन विभाग उन्हें अपराधी समझकर जेल भेजने की धमकी देता है. यह स्थिति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी.एक स्कूल और एक पारा शिक्षक! क्या इसी तरह सारंडा का भविष्य संवरेगा? हम अपने हक के लिए अब चुप नहीं बैठेंगे.सरकार 'मैया सम्मान' और 'पेंशन' का ढिंढोरा पीटती है, लेकिन यहां 300 महिलाओं में से सिर्फ एक को लाभ मिलना यह बताता है कि योजनाएं बिचौलियों और फाइलों तक ही सीमित हैं.इसलिए अब यहां के लोगों को अपने हक के लिये जागना होगा और हक लेना होगा.इस मौके पर मानसिंह हेंब्रम, रविंद्र मंडल, जयसिंह हेम्ब्रम, पूनम मेम्बरम, शिवानंद किस्कू, सुमित्रा जोंकों, मंगल सिंह लागुरी, राउतु गागराई समेत अनेक गणमान्य लोग सारंडा में पहुंच कर बैठक में उपस्थित थे.